सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 4 जून, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 267 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

प्रसंगवश

देश में लोकसभा चुनाव की लंबी यात्रा में उभरे असल मुद्दे

नीरज कुमार दुबे

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए लगभग दो महीने तक चले प्रचार अभियान के दौरान तमाम तरह के मुद्दे उभर कर आये और देखा जाये तो हर चरण के मुद्दे अलग-अलग रहे। नेता चाहे किसी भी दल के रहे हों उनके भाषणों और वादों में इन मुद्दों का कहीं ना कहीं जिक्र जरूर रहा। आइये नजर डालते हैं इन मुद्दों पर-

मुफ्त रेवड़ी: मुफ्त रेवड़ियां ऐसा विषय रहा जो सभी पार्टियों के वादों में किसी ना किसी रूप से शुमार रहा। भाजपा ने मुफ्त राशन अगले पांच साल तक देते रहने का वादा किया हालांकि पार्टी का कहना है कि यह मुफ्त रेवड़ी की श्रेणी में नहीं आता। इसके अलावा विभिन्न राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों ने अपने घोषणापत्रों और जनता से किये गये वादों में तमाम चीजें मुफ्त में देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि यह पैसा कहां से आयेगा। तुलनात्मक रूप से अध्ययन करें तो यह देखने को मिलता है कि मुफ्त सौगातों के वादे सबसे कम भाजपा ने ही किये हैं। कुछ लोगों का कहना था कि सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त होनी चाहिए बाकी कुछ भी मुफ्त नहीं होना चाहिए।

विकसित भारत: लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश भर में निकाली गयी विकसित भारत संकल्प यात्रा के जरिये देश का यह महत्वाकांक्षी मिशन पूरे भारत के कोने-कोने तक पहुँच चुका था। प्रधानमंत्री ने गत वर्ष लाल किले की प्राचीर से दिये अपने भाषण में भी विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की बात कही थी इसलिए जनता इसको लेकर पूरी तरह जागरूक थी। लोगों का कहना था कि हमने पिछले दस सालों में यह महसूस कर लिया है कि हम कुछ भी कर सकते हैं।

संविधान और लोकतंत्र को खतरा: विपक्ष ने चुनाव की शुरुआत से लेकर अंत तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा हमले किये वह थे संविधान और लोकतंत्र को खतरे में बताना। विपक्ष की ओर से यह बात फैलाई गयी कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गयी और मोदी फिर से प्रधानमंत्री बन गये तो यह आखिरी चुनाव होगा और भारत में भी रूस और उत्तर कोरिया जैसा शासन हो जायेगा। जब हमने ग्रामीण क्षेत्रों के बीच जनता का मन टटोला तो खासतौर पर पिछड़े वर्ग के लोगों ने कहा कि हमें सड़क और बिजली नहीं चाहिए पर संविधान में हमें जो अधिकार दिये गये हैं वह नहीं खत्म होने चाहिए। अधिकांश लोगों का कहना था कि संविधान और लोकतंत्र को कोई खत्म नहीं कर सकता और यदि किसी ने ऐसे प्रयास किये तो जनता सड़कों पर उतर आयेगी।

भ्रष्टाचार विरोधी अभियान: देश भर में भ्रष्टाचार विरोधी अभियानों को लेकर विपक्ष का आरोप था कि उसे परेशान किया जा रहा है और सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। विपक्ष ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जनता से समर्थन भी मांगा। जनता ने कहा कि हमने मोदी सरकार को जनादेश इसी बात का दिया था कि भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाये।

परिवारवाद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत परिवारवादी नेताओं पर प्रहार के साथ की थी जिसके बाद आरोप लगाया गया कि मोदी परिवार का महत्व क्या जानें क्योंकि उनका कोई परिवार ही नहीं है। इसके बाद भाजपा ने 'मैं हूँ मोदी का परिवार' अभियान चला दिया और देखते ही देखते राष्ट्रव्यापी मोदी का परिवार खड़ा हो गया। हमने पाया कि परिवार आधारित दलों के पारिवारिक गढ़ के रूप में विख्यात संसदीय क्षेत्रों में अब परिवार के प्रति मोह कम होता जा रहा है।

महंगाई: महंगाई इस चुनाव में एक बड़े मुद्दे के रूप में उभरी। इसको लेकर भाजपा को कहीं-कहीं रक्षात्मक मुद्रा भी अपनानी पड़ी। भाजपा समर्थकों का कहना था कि वैश्विक चुनौतियों के बीच दुनिया भर में सबसे कम महंगाई भारत में ही है। आम जनता रोजमर्रा के सामान की बढ़ती कीमतों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च, तमाम वस्तुओं पर जीएसटी की ज्यादा दरों को लेकर नाराज नजर आई और सरकार से मांग की कि उसे इस ओर ध्यान देना चाहिए। हालांकि महंगाई को लेकर कहीं ऐसा नहीं दिखा कि जनता सरकार बदलने के मूड़ में है।

बेरोजगारी: बेरोजगारी का विषय भी इस चुनाव में काफी छाया रहा। इस विषय के साथ पेपर लीक जैसी विकराल होती समस्या और कौशल की कमी जैसे मुद्दे भी जुड़े रहे। कांग्रेस ने 'पहली नौकरी पक्की' जैसा बड़ा वादा किया था लेकिन इसका कोई खास असर होता नहीं दिखा। युवाओं का कहना था कि हमें ऐसा अस्थायी अवसर नहीं बल्कि जीवन में स्थायित्व चाहिए। युवाओं का कहना था कि सरकारी नौकरियों में भर्तियां नहीं निकल रही हैं और राजनीति के चक्कर में निजी निवेश प्रभावित हो रहा है जिससे अवसर कम हो रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में युवा स्थानीय लोगों के लिए उस क्षेत्र के उद्योगों में आरक्षण के समर्थक दिखे।

शिक्षा और स्वास्थ्य: सरकारी स्कूलों में शिक्षा का खराब स्तर, सुविधाओं की कमी, शहरी क्षेत्रों में स्कूलों में दाखिले की समस्या, निजी ट्यूशन केंद्रों की फीस पर भारी भरकम जीएसटी, ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी, चिकित्सा जांच केंद्रों की कमी, सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की कमी, बाजार की महंगी दवाएं और डॉक्टरों की कमी जैसे मुद्दे बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करते दिखे। नई सरकार को प्राथमिकता के आधार पर इस पर ध्यान देना होगा।

हिंदुत्व: अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से देश भर में जो माहौल बना उसका फायदा भाजपा को होता दिख रहा है। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद 'विकास और विरासत' को जिस तरह तवज्जो दी उसका काफी असर देखने को मिला है। धर्म स्थलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने का ऐसा असर हुआ है कि पर्यटन स्थलों से ज्यादा लोग धर्म स्थलों पर जाने लगे हैं। हालांकि एक बदलाव जरूर आया है कि अब अपने को सेकुलर दिखाने की चाहत किसी में नहीं है और सब खुलकर अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व करते हैं।

नेतृत्व: पूरे चुनाव में यह एक ऐसा मुद्दा रहा जोकि सबसे ज्यादा प्रभाव लिये रहा। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है तो दूसरी ओर विपक्ष से कौन नेतृत्व करेगा यह सवाल पूरे चुनाव में बना ही रहा। जनता का कहना था कि हम नहीं चाहते कि नई सरकार देश के लिए काम करने की बजाय प्रधानमंत्री पद की कुर्सी पाने की लड़ाई में ही फँस कर रह जाये।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

संसार की नदी में डूबते उतराते
समझ की इतनी काई लगी
अक्सर ही हाथ से फिसल जाती है
सरलता
फिर भी मेरी कोशिश है
दोस्तों से जब मिलूँ
सारी दुनियादारी झटक दूँ
दिमाग में गणित की जगह हो संगीत
समझदारियाँ थोड़ी छुट्टी पाएँ
धूप नर्म हो छाँव शीतल
जिन्होंने नेह दिया
उनके प्रति कृतज्ञ रहूँ
प्रेम का प्रतिदान संभव नहीं
लेकिन विनम्र तो हुआ ही जा
सकता है
चतुराई कम हो सहिष्णुता ज़्यादा
जेब में सबसे पहले जाए हाथ
वो जिन्होंने दुख दिये
उनके लिये थोड़ा और उदार रहूँ
थोड़ा अधिक सतर्क
मन की खरोंच भाषा में न झलके
कोई शब्द कांटे सा न चुभे
वाणी मधुर न हो तो चुप साध ले
जो भी मिले सहयात्री
अनुग्रह से भरा रहे हृदय
हर साथ ने समृद्ध ही किया
कोई मीठी स्मृति छोड़ गया
कोई पीड़ा की ज्वाला
उससे मैंने सर्द दिनों में हाथ तापे
हर साथ के लिये आभारी रहे मन
जब भी मिलूँ खुद से
आँखें नीची न हो
दिल पर पहाड़ नहीं जंगल खिले
ग़लतियाँ किससे नहीं होती
माफ़ी माँगने का सामर्थ्य बचा रहे
माफ़ कर देने का हुनर भी
रो लेने की काबिलियत ख़त्म न हो।

– श्रुति कुशवाहा

'मोदी रिटर्न' की उम्मीद से झूमा शेयर बाजार

निवेशकों ने 12 लाख करोड़ कमाए

रिकॉर्ड ऊंचाई पर सेंसेक्स-निफ्टी, रुपये ने भी टाइट किए कॉलर

मुंबई (एजेंसी)। चुनाव नतीजों से एक दिन पहले शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिली। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 2777 पॉइंट की तेजी के साथ 76,738 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी ने भी 808 पॉइंट की तेजी के साथ 23,338 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में बाजार अपने ऊपरी स्तरों से थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 2,507 पॉइंट के तेजी के साथ 76,468 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 733 पॉइंट चढ़कर 23,263 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट रही।

रुपया 28 पैसे मजबूत होकर बंद

आज रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे मजबूत होकर 83.14 रुपए पर बंद हुआ। शुक्रवार को ये 83.42 रुपए पर बंद हुआ था। निफ्टी पीएसयू बैंक 8.40 प्रतिशत चढ़कर बंद आज सभी सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी पीएसयू बैंक में रही। यह 8.40 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। निफ्टी ऑयल एंड गैस 6.81 प्रतिशत चढ़ा। रियल्टी सेक्टर में भी 5.95 प्रतिशत की तेजी रही। मेटल और मीडिया सेक्टर 3 प्रतिशत से ज्यादा चढ़े। निफ्टी ऑटो में 2.45 प्रतिशत की तेजी रही।

निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ बढ़ी

शेयर बाजार में आई इस तेजी से कारोबार के दौरान निवेशकों की वेल्थ लगभग 12 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई है। बीएसई का मार्केट कैप शुक्रवार को 4,12,12,881 करोड़ रुपए था जो आज यानी, 3 जून को कारोबार को दौरान बढ़कर 4,23,71,233 करोड़ रुपए पहुंच गया।

बैंक निफ्टी पहली बार 51,000 के पार – बैंक निफ्टी पहली बार 51,000 के पार हो गया है। इसने आज कारोबार के दौरान 51,106.15 का ऑल टाइम हाई और 52 वीक हाई बनाया।

एसबीआई का मार्केट कैप 8 लाख करोड़ के पार– एसबाईआई का शेयर 900 रुपए के पार निकल गया है। वहीं आज 911.30 रुपए के हाई तक चला गया।

लोकतंत्र के महापर्व के नतीजे आज

● सुबह 9 बजे से रुझान आने शुरु हो जाएंगे ● नेताओं में बैचेनी बढ़ी, काशी में 40 हजार किलो लड्डू तैयार

राजभर बोले-8 जून को मोदी पीएम पद की शपथ लेंगे

नईदिल्ली/वाराणसी (एजेंसी)। आज लोकसभा चुनाव के परिणाम आ जाएंगे। सुबह 9 बजे से रुझान आने शुरु हो जाएंगे। नेताओं के सोमवार की रात बैचेनी में कटेगी। सुबह से लेकर शाम तक पूरी तरह से साफ हो जाएगा कि बाजी किसके हाथ लगेगी। आज देशभर में लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर पार्टियों ने तैयारी कर रखी है। यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 8 बजे से गिनती शुरू होगी। सुबह 9 बजे से रुझान आने शुरू हो जाएंगे। 12 बजे तक लगभग तस्वीर साफ हो जाएगी कि कौन जीत की तरफ बढ़ रहा है। इधर, सुभासपा प्रमुख ओपी राजभर ने दावा किया है कि 8 जून को नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे। विपक्ष की सीटें कम आ रही हैं। इसलिए, वे लोग बौखला रहे हैं। वहीं, रिजल्ट से पहले काशी में भाजपा कार्यकर्ता 40 हजार किलो लड्डू बनवा रहे हैं। आगरा में मोदी की हैट्रिक के पोस्टर लग गए हैं। कार्यकर्ता भाजपा के झंडे खरीद रहे हैं।

पोस्टल बैलेट की गणना पूरी होते ही की जायेगी परिणाम की घोषणा

राजनैतिक दलों की बैठक में श्री राजन ने दी जानकारी

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत सोमवार को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना 4 जून को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। पोस्टल बैलेट की गिनती रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) मुख्यालय पर की जायेगी। 29 (आरओ) मुख्यालय में पोस्टल बैलेट की गिनती सुबह 8 बजे से शुरू होगी। इसके बाद सुबह 8:30 बजे से ईव्हीएम से मतगणना प्रारंभ होगी। शेष 23 जिलों में जहां पोस्टल बैलेट की गिनती नहीं हो रही है, वहां ईव्हीएम से मतगणना सुबह 8 बजे से शुरू होगी।

श्री राजन ने बताया कि पोस्टल बैलेट की गणना पूरी होने पर इसका परिणाम घोषित कर दिया जायेगा। ईव्हीएम में होने वाली मतगणना का परिणाम प्रत्येक राउण्ड खत्म होने के बाद घोषित किया जायेगा। श्री राजन ने बताया कि प्रदेश में चार चरणों में मतदान सम्पन्न हुआ, कुल मतदान प्रतिशत 66.87 था। पोस्टल बैलेट से अभी तक कुल 1 लाख 26 हजार 542 मत डाले गये है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव रिजल्ट के बाद हिंसा की आशंका, 19 जून तक राज्य में तैनात रहेंगे केंद्रीय बल

केंद्रीय बलों की लगभग 400 कंपनियां 19 जून तक बंगाल में रहेंगी। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैनाती मुख्य रूप से हिंसा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और जिलों में की जाएगी। पहले 6 जून तक केंद्रीय बलों की तैनाती होनी थी। वोटों की गिनती 4 जून, मंगलवार को होगी। भारत चुनाव आयोग ने राज्य से चुनाव के बाद की हिंसा को ध्यान में रखते हुए, वोटों की गिनती के बाद 15 और दिनों के लिए पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों को तैनात करने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, केंद्रीय बलों की लगभग 400 कंपनियां 19 जून तक बंगाल में रहेंगी। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए तैनाती मुख्य रूप से हिंसा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों और जिलों में की जाएगी। पहले 6 जून तक केंद्रीय बलों की तैनाती होनी थी। वोटों की गिनती 4 जून, मंगलवार को होगी।

धूं-धूं करके जल उठे ताज एक्सप्रेस के तीन कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी के बीच दिल्ली के सरिता विहार में ताज एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को रवाना किया गया है। फायर डायरेक्टर अतुल गर्ग ने बताया कि 4.24 पर हरकेश नगर से सूचना मिली थी। मौके पर छह गाड़ियां भेजी गई है जो आग पर काबू पाने की कोशिश में लगी हुई हैं।

झूठे आरोपों पर चुनाव आयोग बोला-

शक का इलाज नहीं, हमें लापता जेंटलमेन कहा गया, लेकिन देश में वोटिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना

● शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं है ● कभी ईवीएम खराब तो कभी... यह चल क्या रहा है

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव नतीजों से एक दिन पहले चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने सोमवार कांग्रेस नेता जयराम रमेश के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि शक का इलाज तो हकीम लुकमान के पास भी नहीं है। शनिवार को जयराम रमेश ने कहा था कि गृह मंत्री अमित शाह ने 150 जिला अधिकारियों और कलेक्टरों से फोन पर बात की है। यह खुलेआम तरीके से धमकी देना है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने फेक नैरेटिव को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 2019 में वोटर टर्नआउट को लेकर केस आया। वोटर टर्नआउट में कुछ गड़बड़ नहीं हुआ। उसमें पीसी और एसी का टोटल टॉप पर नहीं था बाकी सब था। इसको तो कोई निकाल सकता है।

चुनाव आयोग ने माना

सोमवार और शुक्रवार को नहीं होना चाहिए मतदान, इसे गर्मी से पहले करा लेने की बात भी सही–

लोकसभा चुनाव के सात चरणों के मतदान के बाद चार जून यानी आज मतगणना होगी। इससे पहले चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी मतदाताओं का खड़े होकर अभिनंदन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने माना कि सोमवार और शुक्रवार को मतदान नहीं कराया जाना चाहिए, क्योंकि इन दिनों के बीच काफी लंबा अंतर हो जाता है। चुनाव आयोग से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि शुक्रवार और सोमवार की बात बिल्कुल सही है। यह भी हमारे लिए सीखने वाली बात है।

ईडी की चार्जशीट में दावा-

के. कविता ने आप नेताओं को दी 100 करोड़ की रिश्वत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने के कविता के खिलाफ जो चार्जशीट दाखिल की थी उसको लेकर अब बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल इस चार्जशीट में ईडी ने 1100 करोड़ के घोटाले के बारे में बताया गया है। जिसमें दावा किया गया कि बीआरएस नेता के कविता पर 292.8 करोड़ रुपये के फर्जीवाड़े में शामिल थीं। इसके साथ ही के कविता ने सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी थी। जिसमें 100 करोड़ आप नेताओं को रिश्वत और 192.8 करोड़ इंडोस्पिरिट्स कंपनी का लाभ शामिल है।

सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप– चार्जशीट में ये भी आरोप लगाया गया कि के कविता ने इस मामले में अपनी भूमिका छिपाने के लिए कई सबूतों को नष्ट भी किया है। ईडी ने कहा कि के कविता ने डिजिटल साक्ष्य नष्ट कर दिए हैं। जिसमें मोबाइल फोन का डेटा भी शामिल है। ईडी को के कविता के पास से 9 मोबाइल फोन मिले थे लेकिन उनमें से सभी फोन फॉर्मेट है। किसी में भी कोई डेटा नहीं है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 44.5 °c | न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 4 जून 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

दो हजार के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में लौटे

● 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी लोगों के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.82 प्रतिशत नोट बैंकों में वापस आ गये हैं। चलन से हटाये गये केवल 7,755 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अभी लोगों के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। 19 मई, 2023 को चलन में मौजूद 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपये था। यह 31 मई, 2024 को कारोबार की समाप्ति पर घटकर 7,755 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा, ''इस प्रकार, 19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपये के 97.82 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गये हैं।''

पूरी उम्मीद है कि नतीजे एग्जिट पोल के बिल्कुल विपरीत होंगे : सोनिया गांधी

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए मतदान 1 जून को संपन्न हुआ, अब सभी की निगाहें 4 जून पर हैं, जब चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। वहीं, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी – हमें इंतजार करना होगा।

बस, इंतज़ार करो और देखो। हमें पूरी उम्मीद है कि एग्जिट पोल जो कह रहे हैं, हमारे नतीजे उसके बिल्कुल विपरीत होंगे।

लालू का दावा, कहा- चौंकाने वाला रिजल्ट देने जा रहा है इंडी गठबंधन, फिर से आ रही जनता की सरकार- चार जून को लोकसभा चुनाव का रिजल्ट आ रहा। इससे पहले राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने बड़ा दावा किया है। लालू प्रसाद ने कहा कि बिहार में और देश में फिर से जनता की सरकार आ रही है। इंडिया गठबंधन भारी बहुमत से चौंकाने वाले रिजल्ट देकर जा रहा है।

कश्मीर के पुलवामा में एनकाउंटर

● सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को किया ढेर

सरेंडर करवाने के लिए एक के माता-पिता को बुलाया गया था, दोनों तरफ से हो रही थी फायरिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के पुलवामा जिले के निहामा क्षेत्र में सोमवार (3 जून) सुबह से आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ चल रही है। दोनों तरफ से फायरिंग जारी है। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। 2 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। जिनको सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिया।

हिला देगा मुंबई के मीरा रोड में हार्ट अटैक का मामला

क्रिकेट खेलते समय मारा छक्का और गिर पड़ा युवक फिर नहीं उठा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के मीरा रोड में एक हिला देने वाली घटना हुई है। यहां पर एक टर्फ क्रिकेट मैच के दौरान युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसका वीडियो हिला देने वाला है। युवक क्रिकेट खेलते समय बॉल को हिट करता है। छक्का मारकर वह खुश होता है और फिर जमीन पर गिर पड़ता है। पूरे देश में अचानक हार्ट अटैक से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। वहीं तेज गर्मी और लू ने इन मौतों के आंकड़ों में इजाफा किया है। दिल का दौरा पड़ने की लाइव मौते कैमरों में कैद हो रही हैं। ऐसी ही एक और लाइव मौत का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो हिला देने वाला है। इसमें दिख रहा है कि एक युवा क्रिकेट खेल रहा है। वह अपने दोस्त से वीडियो बनाने को बोलता है ताकि उसके चौके-छक्कों को वह अपने कैमरे में हमेशा के लिए कैद कर सके लेकिन उसे नहीं पता था कि उसके मोबाइल में उसकी मौत हमेशा के लिए कैद हो जाएगी। युवक बॉल को मारता है और खुश होता है, इसी के साथ अचानक जमीन पर गिर पड़ता है और वहां हड़कंप मच जाता है।

यह लाइव मौत का डरा देने वाला वीडियो मुंबई के मीरा रोड कै है। बताया जा रहा है कि एक कंपनी ने यहां टर्फ क्रिकेट का आयोजन किया था। टीमों के बीच क्रिकेट मैच प्रतियोगिता चल रही थी।

छक्का मारते ही गिरा

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि युवा गुलाबी रंग की जर्सी पहने हुए है। वह टर्फ क्रिकेट खेल रहा है और बैटिंग पोज में है। सामने से बॉलर गेंद फेंकता है र युवा इस गेंद को तेजी से हिट करता है। तेज शॉट से वह खुश होता है। उसकी टीम के लोग तालियां बजाते हैं और एक पल में युवक जमीन पर गिर पड़ता है।

अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

युवक के जमीन पर गिरते ही आसपास के लोग दौड़ पड़ते हैं। क्रिकेट रुक जाता है। लोग घबरा जाते हैं। एंबुलेंस को कॉल की जाती है। युवक को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना पुलिस को दी। काशीगांव पुलिस ने केस दर्ज करके युवक की मौत की जांच शुरू कर दी है।

ईवीएम तोड़ने वाले विधायक को संरक्षण देने पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

यह मजाक है क्या?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के विधायक पिन्नेली रामकृष्णा रेड्डी को फटकार लगाते हुए उनके मतगणना केंद्र पर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। एक मतदान केंद्र पर ईवीएम पटकने का विधायक का वीडियो कैमरे में कैद हो गया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने घटना का वीडियो देखने के बाद कहा कि ईवीएम को जमीन पर पटकने का आरोप 'सिस्टम की खिल्ली उड़ाने' जैसा है। अदालत ने कहा कि यदि अंतरिम सुरक्षा देने के उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक नहीं लगाई गई तो यह भी पूरी न्याय प्रणाली का उपहास उड़ाने जैसा होगा। पीठ में न्यायमूर्ति संदीप कुमार भी शामिल थे। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में मचेरला विधायक के वकील विकास सिंह द्वारा वाईएसआरसीपी नेता की ओर से दायर उस हलफनामे पर भी विचार किया जिसमें कहा गया था कि वह मंगलवार को मतगणना केंद्र या उसके आसपास नहीं जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय से अंतरिम सुरक्षा देने के अपने पूर्व के फैसले से प्रभावित हुए बिना, मामले में अग्रिम जमानत की याचिका पर गुण-दोष के आधार विचार करने के लिए कहा। हाई कोर्ट ने 23 मई को अपने अंतरिम आदेश में मतदान के दौरान ईवीएम पटकने के मामले में 5 जून तक आरोपी विधायक की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी।

कौन है रामकृष्णा रेड्डी?

रामकृष्णा रेड्डी वाईएसआरसीपी उम्मीदवार के रूप में पांचवीं बार विधायकी के लिए मचेरला से चुनाव मैदान में हैं। पुलिस ने ईवीएम पटकने का उनका वीडियो वायरल होने के बाद आईपीसी; जन प्रतिनिधित्व कानून, 1951; और लोक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम (पीडीपीपी) अधिनियम, 1984 की संबंधित धाराओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना मचेरला में 13 मई को मतदान के दिन एक मतदान केंद्र की है। ईवीएम पटकने का वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने उनकी गिरफ्तारी का आदेश दिया था। बाद में विधायक के खिलाफ मतदान के दिन हिंसा की साजिश के तीन नए मामले दर्ज किए गए थे।

विशेष अदालत ने की टिप्पणी

● पीमाल्या, नीरव मोदी और चोकसी इसलिए भागे क्योंकि एजेंसियां पकड़ने में विफल रहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की एक विशेष अदालत ने हाल ही में कहा कि लाखों डॉलर के घोटालों में शामिल नीरव मोदी, मेहुल चोकसी और विजय माल्या इसलिए देश से भागने में सफल रहे क्योंकि जांच एजेंसियां उन्हें उचित समय पर गिरफ्तार करने में विफल रहीं। विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे ने धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत आरोपी की जमानत की शर्तों में बदलाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने 29 मई को धन शोधन के एक मामले में आरोपी व्योमेश शाह की उस याचिका को स्वीकार कर लिया था जिसमें उसने विदेश यात्रा के लिए अदालत से पूर्व अनुमति लेने की जमानत शर्त को वापस लेने का अनुरोध किया था। इस मामले में विस्तृत आदेश हाल ही में उपलब्ध कराया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तर्क दिया था कि शाह के आवेदन को अनुमति देने से नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी जैसे मामलों का इजाफा होगा।

हिमाचल में 3 निर्दलीय विधायक के इस्तीफे मंजूर

● लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले भाजपा को झटका

शिमला। लोकसभा चुनाव के रिजल्ट से एक दिन पहले, सोमवार को हिमाचल के विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया ने 3 निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे मंजूर कर लिए। इनमें नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर, देहरा के विधायक होशियार सिंह और हमीरपुर के विधायक आशीष शर्मा शामिल हैं। इन तीनों ने हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को वोट दिया था। इसके बाद तीनों ने 22 मार्च को विधानसभा स्पीकर और सचिव यशपाल के सामने पेश होकर अपने इस्तीफे सौंप दिए थे। तीनों भाजपा जॉइन कर चुके हैं।

'पापा पिस्तौल ला दो' एक बेहतरीन शार्ट फिल्म

सत्य प्रकाश 'शिक्षक'

लखीमपुर खीरी फिल्में समाज का आइना होती है, आज की जीवन शैली में व्यस्तता के कारण साहित्य एवं सिनेमा में लघु विधाएं ज्यादा प्रचलन में हैं। आज साहित्य में लघुकथा सर्वाधिक प्रचलित विधा है। सिनेमा में शार्ट फिल्में भी खूब चलन में है। लघु फिल्म की बात करें तो एक से बढ़कर एक अच्छी लघु फिल्में चर्चा में आ रही हैं। हाल ही में अर्पिता फिल्म्स इंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी लघु फिल्म 'पापा पिस्तौल ला दो' भी काफ़ी चर्चा में हैं। लघु फिल्म की कहानी प्रसिद्ध लघु कथाकार सुरेश सौरभ (लखीमपुर खीरी) ने लिखी है। साहित्य जगत में इनकी लघुकथा 'पापा पिस्तौल ला दो' खूब सराही गई। जिससे प्रभावित होकर फतेहपुर जनपद के युवा फिल्म निर्देशक शिव सिंह 'सागर' ने इस लघुकथा पर लघु फिल्म बनाई है। फिल्म

की केंद्रीय भूमिका में ऋचा राजपूत ने बड़ी ही खूबसूरती से निम्मी के किरदार को जिया है। फतेहपुर के सशक्त अभिनेता आर. चद्रा ने माधव यानि पिता के चरित्र को अपने अभिनय से सजा दिया है। इसके अतिरिक्त सहयोगी कलाकारों में राजकुमार, कुनाल, दिव्यांशु पटेल, भूमि श्रीवास्तव, पीहू, अनुराग कुमार, अंश यादव आदि कलाकारों ने लघु फिल्म में महती भूमिका निभाई है। फिल्म को कैमरे पर खूबसूरती से उतारा है पिंकू यादव ने। ओम प्रकाश श्रीवास्तव, डॉ. मिथिलेश दीक्षित, डॉ. द्वारिका प्रसाद रस्तोगी, संजीव जायसवाल 'संजय' वसीक सनम, राजू फतेहपुरी, विजय श्रीवास्तव आदि साहित्य कला से जुड़े विशिष्ट जनों ने फिल्म की पूरी यूनिट को बधाई दी है। बताते चले कि स्त्री विमर्श पर यह एक बेहतरीन कथानक की फिल्म है।

उज्जैन पहुंचे सुपर-30 के आनंद कुमार

● अभिभावकों से कहा- बच्चों के सपनों को मरने मत दीजिए

उज्जैन (नप्र)। देश के ख्यात गणितज्ञ और पद्मश्री आनंद कुमार रविवार को अवंतिका यूनिवर्सिटी पहुंचे। यहां उन्होंने विद्यार्थियों से बात कर उनके सवालों के जवाब दिए।

सुपर - 30 फेम आनंद कुमार को सुनने के लिए सैकड़ों बच्चों और अभिभावक लेकोड़ा स्थित अवंतिका यूनिवर्सिटी पहुंचे। तीन घंटे चले कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीच को सुनकर बच्चे और अभिभावक उत्साह से भर गए। कई बच्चों ने उनसे कॅरियर को लेकर सवाल किए। अभिभावकों ने भी पूछा कि वे बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए क्या करें। आनंद ने उन्हें एक ही मूल मंत्र दिया- अपने बच्चों के सपनों को मरने मत दीजिए, वे जो चाहते हैं, उन्हें उसे करने का मौका दें।

लक्ष्य निःशुल्क आवासीय विद्यालय खोलने का- उन्होंने कहा आगे एक बड़ा लक्ष्य निःशुल्क आवासीय विद्यालय खोलने का है। इसमें बच्चे पढ़ाई के साथ अपनी इच्छा अनुसार कॅरियर की तैयारी कर सकेंगे। सुपर - 30 की तर्ज पर एक ऐसा निःशुल्क आवासीय विद्यालय जल्द बिहार में खुल जाएगा।

आनंद कुमार ने यह भी कहा कि सिर्फ बिहार ही नहीं पूरे देश के बच्चों को अब वे सुपर - 30 की तर्ज पर निःशुल्क ऑनलाइन शिक्षा देंगे। इसके लिए भी तैयारी हो चुकी है।

सफलता के ये चार मूल मंत्र बताए- लक्ष्य: कॅरियर, लक्ष्य को लेकर जो भी सपना दिलों दिमाग में है, उसके लिए पूरी ताकत लगा दें। जब तक वह पूरा न हो, पीछे न हटे।

सकारात्मकता: हमेशा पॉजिटिव ही सोचें। संगत अच्छी रखें। नई पीढ़ियों पर आकर्षण बनाएं। जिस फील्ड में जाना चाहते हैं, उन्हीं लोगों से संपर्क बढ़ाएं।

प्रयास: पढ़ाई मेहनत से होती है, पैसे से नहीं। पैसे से होती तो हर अमीर का बच्चा विद्वान होता। इसलिए प्रयास जारी रखें।

धैर्य: यह सफलता का सबसे बड़ा मूलमंत्र है। कई बार निराशा भी होगी। हताश भी होंगे, लेकिन ऐसे में भी धैर्य बनाकर रखना है, क्योंकि घोर अंधेरे के बाद रोशनी ही होगी।

आर्थिक स्थिति के चलते कोई भी उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, यही उद्देश्य- अवंतिका यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. नितिन राणे ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उज्जैन भी आगे रहे, यही उद्देश्य को लेकर 7 साल पहले अवंतिका यूनिवर्सिटी की शुरुआत की गई। आज कई राज्यों के बच्चे यहां पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 400 स्टूडेंट का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। प्रयास यही है कि सभी को स्कॉलरशिप का लाभ मिले। आर्थिक स्थिति के चलते कोई भी बच्चा उच्च शिक्षा से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य को लेकर काम कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

चुनाव होते ही चला महंगाई का चाबुक

अमूल-मदर डेयरी ने बढ़ाई दूध की कीमतें

दाल-सब्जी के बढ़े दामों के साथ महंगाई की चौतरफा मार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस सीजन में टमाटर और गर्मी में आने वाली सब्जियां अपेक्षाकृत कम दामों पर मिलती थीं, लेकिन इस बार सब्जियों के दामों में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। आलू के कम उत्पादन का सीधा असर इस सबसे प्रमुख सब्जी पर पड़ी है।

चुनाव बीतते ही उपभोक्ताओं पर महंगाई की जोरदार मार पड़ी है। आज मदर डेयरी ने भी अपने दूध के दामों में प्रति लीटर दो रुपये की बढ़ोतरी कर दी है। इसके पहले अमूल ने अपने दूध के दामों में बढ़ोतरी की थी। पिछले हफ्ते ही एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल दरों में पांच फीसदी की वृद्धि कर दी थी, जिससे आम उपभोक्ताओं का सफर महंगा हो गया था। माना जा रहा है कि आने वाले समय में पेट्रोल, डीजल और गैस के दामों में भी बढ़ोतरी हो सकती है।

म.प्र., दिल्ली समेत 11 राज्यों में आज हीटवेव का अलर्ट

ओडिशा में लू से 99 मौत, उत्तर भारत में कई जगहों पर आगजनी, लोग बेहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौतपा के बीतने के बाद भी देश के कई राज्यों में तेज गर्मी और हीटवेव का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने 11 राज्यों में आज हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इनमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और ओडिशा शामिल हैं। ओडिशा में भीषण गर्मी का जानलेवा कहर देखने को मिला रहा है। राज्य में पारे के 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाने के बाद लोगों

की स्ट्रोक से मौत हो रही है। राज्य में अभी गर्मी से 141 मौतें हो चुकी हैं। इनमें 99 मौतें पिछले तीन दिनों में हुई हैं।

मौसम विभाग ने कहा है कि इन राज्यों में अगले तीन दिन तक हीटवेव चलेगी, हालांकि इसकी तीव्रता नौतपा के दिन में चली हीटवेव से कम होगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 2 जून को इन राज्यों के कई जिलों में तापमान 43 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड हुआ। हालांकि, कुछ जिलों में 45-46 डिग्री के बीच भी रिकॉर्ड किया गया।

इन राज्यों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने आज 18 राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान में धूलभरी आंधी के साथ बिजली गिरने और बारिश की आशंका है। वहीं, नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में हल्की बारिश और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी हल्की बारिश होगी।

आज काउंटिंग हेडक्वार्टर पर पहुंचेंगे बीजेपी के एजेंट्स

भाजपा को सता रहा पोस्टल बैलेट की काउंटिंग में गड़बड़ी का डर,कांग्रेस का फोकस फार्म 17 सी पर

भोपाल (नप्र)। 4 जून को लोकसभा चुनाव की मतगणना होनी है। काउंटिंग को लेकर बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दल तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हैं। बीजेपी के काउंटिंग एजेंट्स सोमवार शाम को ही काउंटिंग हेड क्वार्टर पर पहुंच जाएंगे। कांग्रेस के काउंटिंग एजेंट्स मंगलवार को ही सुबह 7 बजे मतगणना स्थल पर पहुंचेंगे। मतगणना को लेकर दोनों ही दलों की तैयारियों को समझा।

बीजेपी को लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान पोस्टल बैलेट में गड़बड़ी की आशंका है। ऐसे में बीजेपी ने अपने सभी प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंट्स को यह निर्देश दिए हैं। कि वे सबसे पहले होने वाली पोस्टल बैलेट की मतगणना यानि डाक मतपत्रों की गिनती में पैनी नजर रखें।

बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी कहते हैं कि विधानसभा चुनाव में बहुत छोटे से अंतर के कारण हमारी हार-जीत भी हुई है। एक-एक मतदाता घर से निकला और उसने सोच समझकर भाजपा को वोट दिया। हमारी थोड़ी सी चूक के कारण वो वोट इधर-उधर हो जाए। चूंकि, उसने मन से वोट दिया उस वोट

का सम्मान होना चाहिए।

सुबह 6.30 बजे मतगणना स्थल पहुचेंगे बीजेपी के एजेंट- सबनानी कहते हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता मेहनत करके चुनाव में लगता है। और चुनाव का अहम और आखिरी हिस्सा मतगणना सबसे होता है। ऐसे सभी कार्यकर्ताओं से बातचीत हो गई है। 3 जून को कई स्थानों पर रुकने की व्यवस्था की,ताकि, सुबह कार्यकर्ता को काउंटिंग स्थल पर आने में देर ना हो। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे स्थानों पर हमने रुकने का प्रबंध किया है। ताकि सुबह काम को सुचारु रूप से कर सकें। परिणाम के समय हमारी भूमिका इतनी मजबूत होनी चाहिए कि योद्धा युद्ध के मैदान में मजबूती से रहे।

कांग्रेस की तैयारी-काउंटिंग की हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखें- एग्जिट पोल में बीजेपी को बहुमत मिलने की खबरों के बाद कांग्रेस ने अपने सभी काउंटिंग एजेंट्स को यह निर्देश दिए हैं कि वे किसी भी स्थिति में एग्जिट पोल के मनोवैज्ञानिक दबाव में ना आएं। 4 जून को सुबह 7 बजे सभी एजेंट्स मतगणना स्थल पर दस्तावेजों के साथ पहुंचें।

भोपाल में 10 नंबर मार्केट में पेड़ गिरने से दो व्यक्तियों की मौत

छांव में बैठे थे ठेकेदार सीधे सिर पर गिरी डगाल

भोपाल (नप्र)। 10 नंबर मार्केट में पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि भोपाल 10 नंबर मार्केट में दोपहर करीब 12 बजे पेड़ की डगाल गिरी, जो नीचे बैठे पंचशील नगर निवासी अशोक अहिरवार (50) के सिर पर गिरी, इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति सेकेंड स्टॉप निवासी नर्मदा प्रसाद (47) की भी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत ही घायलों को फैक्कर अस्पताल पहुंचाया,

जिसके बाद अशोक की कुछ देर में मौत हो गई, वहीं नर्मदा प्रसाद की मौत दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। इसके अलावा कई गाड़ियों एवं दुकानें भी इसके चलते टूट गई हैं। पुलिस का कहना है कि नीलगिरी का पेड़ गिरने की सूचना मिली है।

10 नंबर मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष आनंद सोनी ने बताया कि घटना दोपहर करीब 12 बजे की है, जिसमें ठेकेदार अशोक और नर्मदा की मौत हुई है। अशोक वहां छांव की वजह से आकर बैठे थे। जबकि नर्मदा वहां पर गन्ने की चरखी लगाते थे। सोमवार दोपहर अचानक पेड़ की बहुत बड़ी डगाल टूटी और सीधी दोनों के ऊपर गिरी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया। अशोक के बाद नर्मदा की भी मौत हो गई। आनंद सोनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर नगर निगम और सरकार समय रहते हुए पेड़ों की कटाई छटाई कर देती तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई उसे तत्काल मुआवजा सरकार द्वारा दिया जाना चाहिए। जो भर्ती व्यक्ति है उसे तत्काल इलाज के लिए भी सहायता सरकार को प्रदान करना चाहिए।

इंदौर में बैंककर्मी महिला ने फांसी लगाई

मायकेवालों ने ससुरालियों पर लगाया हत्या का आरोप; अस्पताल में दामाद को पीटा, कार तोड़ी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में बैंककर्मी महिला ने रविवार सुसाइड कर लिया। मायकेवालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया। सोमवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। मायका पक्ष भारी पड़ा। दामाद की जमकर पिटाई कर दी। कार में तोड़फोड़ भी की। परिवार ने अस्पताल के एक वार्ड में घुसकर जान बचाई। पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों को समझाया।

अंकिता जायसवाल, मृतक

राजेन्द्र नगर पुलिस ने बताया कि अंकिता (22) पति प्रणय जायसवाल निवासी वीआईपी, परस्पर नगर ने फांसी लगाकर जान दे दी। ससुराल के लोग शव उतारकर रात में ही यूनिक अस्पताल लाए थे। यहां से पोस्टमॉर्ट्म के लिए जिला अस्पताल लाया गया। मायके वालों ने कहा, मामले की जानकारी हमें एक घंटे बाद क्यों दी गई? वहीं, ससुराल पक्ष ने आरोप लगाया, अंकिता के मायके वाले पति और अन्य लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

3 साल पहले शादी हुई थी, कोई संतान नहीं

अंकिता के पिता खरगोन जिले के झिरन्या में अनाज व्यापारी हैं। दो भाई अंकित और आकाश हैं। पिता के साथ ही काम करते हैं। परिवार ने कहा, बेटी और प्रणय की शादी 2021 में हुई थी। वह बैंक में नौकरी करती थी। पति लाइब्रेरी और हॉस्टल चलाता है। दोनों की कोई संतान नहीं है।

मायके वालों का आरोप है कि अंकिता और प्रणय के बीच अनबन रहती थी। संतान नहीं होने को लेकर भी कई बार झगड़े हुए। मनमुटाव के कई और भी कारण हैं। उसकी हत्या की गई है।

भाई बोला- किसी महिला से बात करते थे जीजा

अंकित ने बताया, शनिवार रात अंकिता से बात हुई थी। मैंने कहा कि बच्चों को लेकर इंदौर आ रहा हूं। वाटर पार्क चलना है। खाना बाहर ही खा लेंगे। दूसरे दिन सुबह अंकिता का कॉल आया। उसने पूछा कि तू आया नहीं? मैंने जवाब दिया कि कुछ देर में इंदौर के लिए निकल रहा हूं। दोपहर डेढ़ बजे अंकिता की मौत की जानकारी आ गई। हम तुरंत इंदौर रवाना हुए। अंकित ने कहा, मुझे बहन ने जानकारी दी थी कि जीजा किसी और महिला से भी फोन पर बात करते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। उनका मोबाइल चेक करेंगे तो सच्चाई सामने आ जाएगी।

ससुराल पक्ष बोला- कमरा अंदर से लॉक था

वहीं, ससुराल वालों ने कहा, रविवार सुबह प्रणय लाइब्रेरी गया था। दोपहर करीब 12.30 बजे हमेशा की तरह भोजन के लिए घर लौटा। देखा कि कमरे का लॉक लगा है। उसने अंकिता को आवाज दी। दरवाजा नहीं खोलने पर दूसरी चाबी से लॉक खोला। अंदर देखा तो वह फंदे पर लटकी थी। घटना के समय दादी सास और देवर चिंटू ही घर पर थे। अंकिता के ससुर अश्विन जायसवाल और सास शालू हॉस्टल गए थे।

ससुरालवालों के दावे से मायका सहमत नहीं

अंकिता के मायके पक्ष ने कहा, दामाद प्रणय द्वारा दूसरी चाबी से लॉक खोलने की बात झूठ है। हमें एक घंटे से ज्यादा देर बाद सूचना दी गई, इसकी क्या वजह है?

भोपाल में युवती के साथ ज्यादती

होटल रूम में बंधक बनाकर दिया था वारदात को अंजाम

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में दो साल पहले शादी के दौरान युवती की पहचान एक युवक से हो गई। जल्द ही दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग हो गया। दोनों ने अपने घर वालों को बताया तथा उन्हें शादी करने के लिए राजी कर लिया। शादी की बात चलने के दौरान ही युवक ने युवती को एक होटल में ले जाकर उसने साथ शारीरिक संबंध बना लिए।

जल्द ही शादी करने का झांसा देकर उसने युवती का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। पिछले दिनों जब उसने शादी करने से मना कर दिया तो मामले की शिकायत पुलिस को कर दी गई। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

ड्रायफ्रूट का कारोबार करती है युवती- पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय युवती का घर चूनाभट्टी थानाक्षेत्र में है तथा ड्रायफ्रूट का कारोबार करती है। कारोबार के चलते युवती अधिकांश दिल्ली में रहती है। दो साल पहले वर्ष 2022 में वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए भोपाल आई थी। यहां पर उसकी मुलाकात प्रशांत नाम के युवक हुई। दोनों के बीच की पहचान जल्द ही प्रेम-प्रसंग में तब्दील हो गई।

आरोपी ने शादी का वादा किया था- प्रशांत ने युवती के सामने शादी का प्रस्ताव रखा तो युवती ने हामी भर दी। दोनों ने अपने-अपने घरवालों को बात बताई तथा शादी के लिए राजी कर लिया। इसी दौरान युवती जब दिल्ली से भोपाल आई तो प्रशांत उसे घुमाने के बहाने एक होटल में लेकर गया। यहां पर उसने युवती से जल्द ही शादी करने की बात कहते हुए युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। इतना ही नहीं उसे 24 घंटे तक होटल में बंधक बनाए रखा।

शादी के नाम पर बहानेबाजी करता है युवक- इसके बाद उसने युवती का शारीरिक शोषण करना शुरू कर दी। युवती जब भी शादी की बात करती तो वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। पिछले दिनों प्रशांत ने शादी करने से मना कर दिया। इसके बाद युवती ने मामले की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है।

नतीजों से पहले बीजेपी में उत्साह, कई जगह पोस्टर लगे

लिखा- सनातन की प्रचंड जीत पर जन-जन का अभिनन्दन

उज्जैन (नप्र)। बीजेपी का गड माने वाली उज्जैन लोकसभा सीट पर परिणाम आने से पहले ही कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। मंगलवार को आने वाले परिणाम से पहले बीजेपी की जीत के पोस्टर लगाना शुरू हो गए हैं। जिला अस्पताल के सामने पीएम मोदी, सीएम मोहन यादव और सांसद अनिल फिरोजिया सहित बीजेपी के अन्य नेताओं के बड़े पोस्टर के साथ सनातन की जीत का पोस्टर लगाया गया है।

एग्जिट पोल में बीजेपी की सरकार बनते देख बीजेपी के कार्यकर्ता उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। सभी एग्जिट पोल बीजेपी की प्रचंड जीत की ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि काउंटिंग मंगलवार सुबह 8 बजे शुरू होगी। नतीजे दोपहर बाद

तक आएंगे। रिजल्ट से एक दिन पहले ही बीजेपी के कार्यकर्ता एग्जिट पोल पर बीजेपी की जीत को देखकर सनातन की जीत बता रहे हैं। हालांकि पॉलिटिकल पंडित उज्जैन सीट पर बीजेपी की राह आसान बता रहे हैं। यही कारण है की बीजेपी के कार्यकर्ता उत्साहित हैं।

जिला अस्पताल के सामने जो पोस्टर लगाया गया है, उसमें जय सनातन तय सनातन, सनातन की प्रचंड जीत पर जन जन का अभिनन्दन लिखा गया है। साथ ही, पोस्टर पर पीएम मोदी, सीएम मोहन यादव, जेपी नड्डा और प्रत्याशी अनिल फिरोजिया सहित उज्जैन के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के फोटो लगे हैं।

दिल्ली के श्रद्धालुओं की कार खड़े ट्रक में घुसी,11 घायल, महिला की हालत गंभीर

ओंकारेश्वर से लौटे थे उज्जैन

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में दिल्ली के श्रद्धालुओं की कार, खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में 10 श्रद्धालु और ड्राइवर घायल हुआ है। घायलों में बच्चे भी शामिल हैं, एक महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना रविवार - सोमवार की दरमियानी रात 2.30 बजे की है। हादसा शहर के नानाखेड़ा क्षेत्र में महामृत्युंजय द्वार चौराहे पर हुआ। अंसारी मार्ग, दरियाई गंज (दिल्ली) निवासी पूनम चौधरी (35), रूपेश चौधरी (45), राजिव गुप्ता (45), सुनीता गुप्ता (40), कनक (10), अन्वीक्षा (8), कबीर (8), लव प्रीत (20), निष्ठा (10), मोहित (20) और ड्राइवर आशीष (29) घायल हो गए। घायलों को उज्जैन जिला में भर्ती कराया गया। डॉ. अभिषेक ने बताया कि पूनम पति रूपेश चौधरी की हालत गंभीर है। बाकी की स्थिति सामान्य है।

एमपी में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, 13 की मौत

राजस्थान के 50 बाराती सवार थे, 16 घायल ; ड्राइवर नशे में था, शव जेसीबी से निकालने पड़े

राजगढ़, भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में रविवार की रात बारातियों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 13 लोगों की मौत हो गई है। हादसे में 16 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल लाया गया। 12 ट्रॉमा सेंटर में हैं। गंभीर रूप से घायल 2 बच्चों समेत 4 लोगों को भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में मरने वाले सभी लोग राजस्थान के झालावाड़ और बारां जिले के रहने वाले थे। बारात में शामिल एक महिला का कहना है कि ट्रैक्टर का ड्राइवर शराब के नशे में था।

जानकारी के मुताबिक ट्रॉली में 50 बाराती थे। मौत उनकी हुई जो ट्रॉली के नीचे दब गए थे। ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकाला। जेसीबी की मदद से ट्रॉली उठाकर शवों को और अन्य घायलों को निकाला गया। मरने वालों में 5 महिलाएं, 5 बच्चे और 18 से 20 साल के 3 युवक हैं।

सड़क से उतरकर खाई में चला गया ट्रैक्टर- हादसा राजगढ़ जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर पीपलोदी के पास हुआ है। ट्रैक्टर में राजस्थान के इकलेरा के समीप स्थित मोतीपुरा गांव से तातूड़िया परिवार की एक बारात राजगढ़ के पास देहरीनाथ

पंचायत के गांव कमालपुर आ रही थी। खामखेड़ा से कुछ दूर पिपलौदी मोड़ पर ट्रैक्टर सड़क से उतरकर खाई में जा गिरा और पलट गया।

उल्टी हो गई ट्रॉली, जेसीबी से दबे लोगों को निकाला- हादसा कितना भयावह था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रॉली पूरी उल्टी हो गई। उसके चारों पहिए ऊपर हो गए। ट्रॉली के नीचे कई लोग दब गए। जेसीबी से ट्रॉली को सीधा कर उसके नीचे दबे लोगों को निकाला गया। बारात में शामिल ममता नाम की महिला ने बताया कि ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने के बाद लोग उसके नीचे दब गए। आसपास के लोगों ने उन्हें निकाला।

गर्भवती बहू, 3 साल के पोते और बेटे की मौत- हादसे की जानकारी मिलने के बाद सोमवार सुबह राजगढ़ पहुंची नंदू बाई ने बताया कि उनकी गर्भवती बहू रामकली, 3 साल के पोते और एक बेटे रामपाल की मौत हो गई। दूल्हा रामकली का मुहंबोला भाई है।

संतरा बाई ने बताया कि उनकी बेटी रूपा और नाती आकाश की मौत हो गई है। दामाद ब्रजेश गंभीर घायल है।

हादसे पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने जताया दुख- सीएम डॉ. मोहन यादव ने राजगढ़ के पीपलोदी में हुए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान के झालावाड़ जिले के 13 लोगों की असमय मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। हम राजस्थान सरकार के संपर्क में हैं और राजस्थान पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है।

राज्यमंत्री नारायण सिंह जिला अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने घायलों का हाल जाना और उनके इलाज के निर्देश दिए। कलेक्टर हर्ष दीक्षित और एसपी आदित्य मिश्रा भी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से हादसे को लेकर जानकारी ली।

हादसे में इन 13 लोगों की हुई मौत

- बरजी बाई (50) पति राधेश्याम कतोरिया, निवासी दीगोद जागीर, थाना हरनावादा, जिला बारां, राजस्थान
- राधा (20) पति प्रकाश कतोरिया, निवासी मोतीपुरा, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- रामकली (25) पति राजकुमार कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान
- रूपा (22) पति बृजेश कतोरिया, निवासी मोतीपुरा, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- बादाम बाई (70) पति नारायण कतोरिया, निवासी गजवाड़ी, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- शिवम (12) पिता कालू लाल कतोरिया, निवासी मोतीपुरा, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- आकाश (5) पिता ब्रजेश कतोरिया, निवासी मोतीपुरा, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- अभी (3) पिता राजकुमार कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान
- रामदयाल (9) पिता राम चरण कतोरिया, निवासी मोतीपुरा, थाना जावर, जिला झालावाड़, राजस्थान
- अरविंद (12) पिता चतुरलाल कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान
- विशाल (18) पिता रामलाल कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान
- सुनील (20) पिता रामबाबू कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान
- रामपाल (20) पिता भूरालाल कतोरिया, निवासी भगवतपुरा, थाना छीपाबड़ौद, जिला बारां, राजस्थान

समाज में राष्ट्रभक्ति और चरित्र निर्माण के लिए हुई संघ की स्थापना : अशोक पांडेय

मध्यभारत प्रांत के राजगढ़ और इटारसी में जारी संघ शिक्षा वर्गों एवं वनखेड़ी में घोष वर्ग का समापन

भोपाल। राजगढ़ और इटारसी में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिक्षा वर्गों और वनखेड़ी में आयोजित घोष वर्ग का रविवार को समापन हो गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने 20 दिन में प्राप्त प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया। राजगढ़ के जीरापुर में वर्ग के समापन समारोह को प्रान्त के संघचालक श्री अशोक पांडेय जी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हर भारतवासी में राष्ट्रभक्ति एवं चरित्र निर्माण के लिए हुई है।

प्रान्त संघचालक श्री पांडेय ने कहा कि जब डॉ. हेडगेवारजी ने संघ की स्थापना की, तब स्वतंत्रता का आंदोलन चल रहा था। उस समय उन्होंने अध्ययन, चिंतन किया और अंततः विचार किया कि देश को भले ही स्वतंत्रता प्राप्त हो जाए, लेकिन जब तक हममें यह विचार नहीं होगा कि हम पराधीन क्यों हुए। तब तक स्वतंत्रता स्थाई नहीं होगी। उन्होंने चिंतन के बाद पाया कि हम सामाजिक दृष्टि से एक नहीं थे, आपस में फूट थी, भेदभाव था, देश में एकता नहीं थी। इसलिए हमारी आजादी का अपहरण हुआ। इसलिए देश में राष्ट्रभक्ति एवं चरित्र की स्थापना के लिए संघ की स्थापना हुई।

श्री पांडेय ने कहा कि संघ ने स्थापना के बाद कई संघर्ष किये। दमन भी झेले। लेकिन उपेक्षा और दमन के

बाद भी संघ कार्य में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भागवत भूषण संत श्री प्रेमनारायण जी गेहूखेड़ी वाले एवं वर्ग के सर्वाधिकारी श्री सुनील जी पाठक उपस्थित रहे।

संघ का उद्देश्य हमेशा पवित्र रहा- श्री पांडेय ने कहा कि संघ का उद्देश्य हमेशा पवित्र एवं ईश्वरीय कार्य रहा है। लोगों के चरित्र का निर्माण करने में संघ ने समाज में अपनी भूमिका अदा की है। स्वतंत्रता आंदोलन में संघ के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। बंटवारे की त्रासदी में संघ ने कई राहत सेवा की। उन्होंने कहा कि समाज में संघ के विचार को फैलाया है। सेवा कार्य, समरसता का कार्य संघ के मूल में प्रारंभ से रहा है। चीन,पाकिस्तान से हुए युद्ध में स्वयंसेवकों ने सेना की मदद की। आज भी सम्पूर्ण देश में संघ द्वारा 1 लाख 50 हजार से अधिक सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं।

मनुष्य गुण, स्वभाव, श्रेष्ठता के आधार पर बड़ा- उन्होंने कहा कि देश के अनेक मनीषियों ने समाज को समरस करने के कार्य किये। संघ भी समाज में समरसता लाने के लिए सतत कार्य करता है। अनेक मनीषियों ने पूर्व में भी समाज में यह भाव स्थापित किया कि गुण स्वभाव और श्रेष्ठता के आधार पर मनुष्य बड़ा होता है। जन्म और कुल के आधार पर नहीं। इसी के आधार पर संघ भी समाज मे समरसता स्थापित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। पर्यावरण के क्षेत्र में भी संघ कई कार्य कर रहा है। नागरिक अनुशासन, कुटुंब प्रबोधन, ग्राम विकास के माध्यम से देश के लोगों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने का कार्य भी संघ कर रहा है। साथ ही स्व का बोध कराने के लिए भी निरंतर कार्य जारी है। वसुधैव कुटुम्बकम का भाव केवल हिन्दू धर्म में हैं। भारत को जानो, भारत को मानो और भारत के बनो। इस दिशा में भी संघ काम कर रहा है।

युवाओं में परिवार भाव जगाना आवश्यक- समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूज्य संत श्री प्रेमनारायण जी गेहूंखेड़ीवाले ने कहा कि हमारे भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है। युवा ही इस देश के भविष्य निर्माता है। इसलिए युवाओं में परिवार का भाव नितांत आवश्यक है। परिवार भाव एवं कुटुंब प्रबोधन से ही राष्ट्रप्रेम का भाव जागृत होगा। जिससे हमारा भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा। आज के परिवेश में हम देख रहे हैं कि जिस प्रकार परिवार टूट रहे हैं और युवाओं के मन में परिवार भाव कम हो रहा है। वह हम सबके लिए चिंता का विषय है। इसलिए हम सबको परिवार भाव का जागरण करना होगा और कुटुंब प्रबोधन के माध्यम से समाज को जागृत करना होगा।

संपादकीय

अब मतगणना को लेकर सतर्कता

एग्जिट पोल में एनडीए की भारी जीत के दावे के बाद बेचैन कांग्रेस ने अब अपना सारा ध्यान मतगणना की पारदर्शिता और प्रामाणिकता पर केन्द्रित कर दिया है तो दूसरी तरफ भाजपा ने कम लीड वाले विधानसभा क्षेत्रों की पहचान शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि कम मतदान की गाज कुछ मंत्रियों और पार्टी पदाधिकारियों पर गिर सकती है। वैसे भाजपा 25 सीटों पर अपनी जीत पक्की मानकर चल रही है। लेकिन यह उसके मिशन 29 को झटका होगा। जहां तक कांग्रेस की बात है तो ज्यादातर एग्जिट पोल सर्वे में मप्र की कुल 20 में से कांग्रेस को 1 से 3 तक सीटें दी गई हैं तो कुछेक ने यहां तक कहा है कि इस बार कांग्रेस शून्य पर भी रह सकती है। हालांकि अब तक अपराजेय रही छिंदवाड़ा लोकसभा सीट को ज्यादातर सर्वे कांग्रेस के खाते में ही मानकर चल रहे हैं। जबकि कांग्रेस का मानना है कि वह कम से कम 5 और अधिकतम 12 सीटें जीतने की स्थिति में है। कांग्रेस कितनी सीटें जीतती है, यह चार जून को मतगणना के बाद ही पता चलेगा। बहरहाल दोनो मुख्यब प्रतिद्वंद्वी दलों ने मतगणना को लेकर अपने अपने स्तर पर तैयारियां चालू कर दी है। दोनों दलों ने अपने मतगणना एजेंटों को बाकायदा ट्रेनिंग दी है। बताया जा रहा है कि बीजेपी के काउंटिंग एजेंट सोमवार शाम को ही मतगणना स्थलों पर पहुंच गए हैं। जबकि कांग्रेस के काउंटिंग एजेंट मंगलवार सुबह 7 बजे मतगणना स्थल पर पहुंचेंगे। दिलचस्प बात यह है कि दोनों ही दलों को मतगणना में 'गड़बड़ी' की आशंका है। भाजपा को पोस्टल बैलेट में तो कांग्रेस को ईवीएम को वोटों में। बीजेपी ने अपने सभी प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंट्स को यह निर्देश दिए हैं कि वे सबसे पहले होने वाली पोस्टल बैलेट (डाक मत पत्रों) की मतगणना यानि डाक मतपत्रों की गिनती में पैनीनजर रखें। डाक मतपत्रों में कर्मचारियों, बुजुर्गों, दिव्यांगों के मतों की गणना होती है। इन मतपत्रों की गिनती के दौरान गड्डियां बदलने या पोस्टल बैलेट रिजेक्ट करने जैसी शिकायतें आम तौर पर आती हैं। काउंटिंग एजेंट्स से कहा गया है कि आखिरी मतगणना सर्टिफिकेट मिलने तक वो मतगणना स्थल न छोड़ें। उधर कांग्रेस ने भी अपने कार्यकर्ताओं और काउंटिंग एजेंटों से कहा है कि वो एग्जिट पोल सर्वे के दावों से मनोवैज्ञानिक दबाव में न आएं। तय समय पर फार्म 17सी व अन्य दस्तावेज लेकर मतगणना स्थल पर पहुंचें। काउंटिंग को लेकर फार्म 17सी के डेटा से क्रॉसमैचिंग करें। जिसमें ईवीएम की सील पर पोलिंग एजेंट्स के दस्तखत का मिलान करें, ईवीएम का बैटरी लेवल, मतों की संख्या का मिलान करने के बाद काउंटिंग होने दें। पोस्टल बैलेट की गणना को लेकर ज्यादा सतर्क रहें। बेशक मतगणना को लेकर राजनीतिक दलों की यह सजगता सराहनीय है। लेकिन इससे नतीजों पर कोई प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। ज्यादातर का मानना है कि मप्र में केवल चार पांच सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबले की स्थिति है। बाकी सीटों पर मामला लगभग एकतरफा है। वैसे मप्र में इस बार लोकसभा चुनाव में 2019 की तुलना लगभग 4 फीसदी वोट कम पड़ा है। इसने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। उसकी सीटें इस बार कम हो सकती हैं। कम न भी हुई तो जीत का अंतर काफी कम हो सकता है। हालांकि मतदान कम क्यों हुआ, इस पर भी मंथन जारी है और उसके कई कारण है। जिसमें से एक भाजपा में आंतरिक असंतोष भी है। वैसे भाजपाइयों का कहना है कि उनके वोट तो डल गए, लेकिन कांग्रेस का वोटर कम निकला, इसका कारण मतदान का प्रतिशत घटा। सच्चाई आज सामने आ जाएगी।

नजरिया

प्रभात झा

(भाजपा पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद)

मोदीजी ने सिद्ध किया राजनीति एक साधना है

भारतीय राजनीति में आजादी के बाद सर्वाधिक समय प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू रहे। वे लगभग साढ़े सत्तरह साल तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। उसके बाद श्रीमती इंदिरा गांधी जो नेहरू की बेटी रहीं, वे भी पंद्रह साल और तीन सौ पचास दिन प्रधानमंत्री रहीं। भारतीय जनसंघ की स्थापना से भाजपा के अब तक के इतिहास में प्रधानमंत्री के पद पर पहले तेरह दिन, दूसरी बार तेरह महीने और तीसरी बार साढ़े चार वर्ष के करीब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे। अपने जीवन में जब वे कानपुर में स्नातकोत्तर और लॉ की पढ़ाई करने गए, तो उसके बाद वे संडीला जो उत्तरप्रदेश में एक स्थान है, वहां कुछ समय के लिए प्रचारक के रूप में रहे। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अटल जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक एवं कुछ समय प्रचारक रहे, ऐसे राजनेता भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में बात इतनी सी रही कि वे पूर्ण बहुमत वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नहीं रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में पच्चीस वर्ष बाद ऐसे प्रधानमंत्री बने जो अपनी पार्टी भाजपा के पूर्ण बहुमत के आधार पर पहले प्रधानमंत्री बने। साथ ही, उन्हे एनडीए का समर्थन था।

4 जून 2024 को आम चुनाव 2024 का परिणाम आएगा। 18वीं लोकसभा का गठन होगा। अब तक आए सभी चैनलों के चुनाव पूर्व अनुमान यह साफ संकेत दे रहे हैं कि भाजपा पूर्ण बहुमत से पुनः तीसरी बार सरकार बना रही है और श्री नरेन्द्र भाई मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेंगे। अगर गणित लगायेंगे तो वे जनसंघ से भाजपा में रहे प्रधानमंत्री अटल जी के कार्यकाल से तो काफी आगे सन् 2014 और 2019 के साथ-साथ अब सन् 2024 में भी रहेंगे। अटल जी और नरेंद्र भाई मोदी में जो समानता है कि अटल जी भी संघ के स्वयं सेवक और कुछ समय तक प्रचारक रहे। वहीं नरेंद्र भाई मोदी तो वर्षों तक संघ के प्रचारक रहे और प्रचारक के नाते भाजपा के संगठन महामंत्री भी रहे। नरेंद्र भाई मोदी के मुख्यमंत्री काल को जोड़ लिया जाए तो भारतीय राजनीति में तेरह वर्ष मुख्यमंत्री और दस वर्ष तक प्रधानमंत्री रहने वाले भारत के पहले राजनीतिज्ञ श्री नरेंद्र भाई मोदी ही हैं। साथ ही जैसा कि गृहमंत्री श्री अमित शाह, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा जी कह रहे हैं, कि सन् 2029 में भी नरेंद्र भाई मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे, तो यहां यह कहने में कोई संकोच नहीं कि वे भारतीय राजनीति के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बन जायेंगे, जो भारत में प्रधानमंत्री पद पर रहने के सारे रिकार्ड तोड़ देंगे। जैसे क्रिकेट की दुनिया में सचिन तेंदुलकर ने इतना बड़ा रिकार्ड बना दिया कि अभी तक विश्व में उसे कोई तोड़ नहीं पाया। ऐसे ही विश्व के लोकतांत्रिक देश के इतिहास में 4 जून 2024 को तो इतिहास रच ही जाएगा। साथ ही सन 2029 में भाजपा और विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय ही नहीं मान्यता और स्वीकार्यता प्राप्त व्यक्तित्व नरेंद्र भाई मोदी हो जाएंगे।

भारतीय जनसंघ की स्थापना से भाजपा के अब तक के इतिहास में प्रधानमंत्री के पद पर पहले तेरह दिन, दूसरी बार तेरह महीने और तीसरी बार साढ़े चार वर्ष के करीब स्व. अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री रहे। अपने जीवन में जब वे कानपुर में स्नातकोत्तर और लॉ की पढ़ाई करने गए, तो उसके बाद वे संडीला जो उत्तरप्रदेश में एक स्थान है, वहां कुछ समय के लिए प्रचारक के रूप में रहे। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि अटल जी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयंसेवक एवं कुछ समय प्रचारक रहे, ऐसे राजनेता भारत के प्रधानमंत्री बने। उनके कार्यकाल में बात इतनी सी रही कि वे पूर्ण बहुमत वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नहीं रहे। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में पच्चीस वर्ष बाद ऐसे प्रधानमंत्री बने जो अपनी पार्टी भाजपा के पूर्ण बहुमत के आधार पर पहले प्रधानमंत्री बने। साथ ही, उन्हे एनडीए का समर्थन था।

लगातार तीसरी बार बहुमत से अधिक संख्या और हर बार संख्या में बढ़ोत्तरी कर न केवल भाजपा की साख बढ़ी है, बल्कि श्री नरेंद्र भाई मोदी ने यह सिद्ध किया है कि राजनीति भी एक साधना है, तपस्या है और यदि उन्होंने तपस्वी बनकर प्रधानसेवक की भूमिका निभाते हुए कहा कि 'मेरे लिए सिर्फ GYAN (ज्ञान) अर्थात 'जी' से गरीब 'वाई' से यूथ 'ए' से अन्नदाता और 'एन' से नारी शक्ति ही सब कुछ है। न मैं जाति में विश्वास करता हूं और इन चारों के विकास के लिए और विश्व में भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अपना जीवन का एक-एक पल लगा रहा हूं'। सच भी है कि अगर वे चुनाव के समय ध्यान में भी गए तो भारत 'ज्ञान' के विकास को और मजबूती के साथ ही भारत विश्व में नम्बर एक कैसे बने, इसलिए गए थे। उनकी कल्पना और दूरदृष्टि का भारत ही नहीं, विश्व भी कायल है। यही कारण है कि नरेंद्र भाई मोदी विरोधियों की चिंता किए बगैर भारत माता को वैभव पर पहुंचाने में रात-दिन लगे रहते हैं।

राजनीति

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

चुनाव परिणामों के राजनीतिक सबक

लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण का मतदान संपन्न होने के बाद आए कई एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एडीए) को प्रचंड बहुमत मिलने का अनुमान लगाया गया है। इन सर्वेक्षणों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र की सत्ता संभालते हुए पूर्व के सारे रिकार्ड को ध्वस्त कर देंगे। मोदी ने लोकसभा चुनाव में अपने प्रभावी एवं चमत्कारी प्रदर्शन से जनता का दिल जीता है और उनके देश-विकास के कार्यक्रमों पर जनता ने मोहर लगाई है। विपक्ष के लिये जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि मुस्लिम तुष्टीकरण, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने, संविधान बचाने के भ्रामक ड्रामा एवं देश तोड़ने की सोच से ऊपर उठकर विपक्ष की भूमिका का सार्थक करें। कोई भी एग्जिट पोल चुनाव परिणाम तो नहीं होता, लेकिन बातों ही बातों में चुनाव परिणामों की ओर इशारे कर जाता है, जो अक्सर समय की कसौटी पर सही साबित होते आये हैं, वास्तविक नतीजे मंगलवार 4 जून को देर शाम तक प्राप्त हो पाएंगे। जिसमें भाजपा एक बार फिर सारे मिथक तोड़ते हुए दिखाई दे रही है। भाजपा की सफलता को इसलिए भी बड़ा माना जा रहा है क्योंकि उसने सारे विपक्षी दलों के गठबंधन एवं शक्ति को मात दी। भाजपा न केवल अपनी सरकार बचाते हुए दिख रही है बल्कि भारत को एक नये युग में ले जाने के लिये प्रतिबद्ध दिख रही है। निश्चित ही सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने के लिये भाजपा एक लहर बन चुकी है और इस लहर ने पूरे मुल्क के स्वाभिमान को एक नई ऊंचाई दी है।

अब भारत का मतदाता परिपक्व हो चुका है, उसे जाति, धर्म, सम्प्रदाय के नाम पर गुमराह नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र जिस रूप में सशक्त हो रहा है, उसी के अनुरूप राजनीतिक चरित्र को गढ़ना होगा, उसके प्रति भी राजनीतिक दलों को एहसास कराना होगा, जहां से राष्ट्रहित, ईमानदारी और नए मनुष्य की रचना, सशक्त अर्थव्यवस्था एवं विकास की तीव्र रफ्तार, खबरदार भरी गुहार सुनाई दे। कोई भी दल हो, अगर ये एहसास नहीं जागता है तो मतदाता दिखा देता है उनको शीशा, वही छीन लेता है उनके हाथ से दियासलाई और वही उतार देता है सत्ता का मद। कहने का मतलब सिर्फ इतना सा है कि देश की सियासी फिजां को बदलने में विपक्षी दलों को अधिक ईमानदार, जिम्मेदार एवं पारदर्शी होना होगा। विपक्ष दल अपनी जिम्मेदारियां से भागते हुए देश से ज्यादा दल को महत्व देने का परिणाम इन चुनाव में देख लिया है। भाजपा की तुलना में अन्य दलों पर दाग ज्यादा और लम्बे समय तक रहे हैं। इन दलों को न केवल अपने बेदाग होने के पुख्ता प्रमाण देना होगा, बल्कि जनता के दर्द-परेशानियों को कम करने का रोड मेप तैयार करते हुए अपना विपक्षी होने के धर्म को निभाना होगा, तभी वे आदर्श विपक्ष के हकदार बन सकेंगे।

हमने इन चुनावों में देखा है कि केवल झूठे आश्वासनों से मतदाता को गुमराह करने के दिन अब लद गये है। सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि विभिन्न विपक्षी दल अपने को, समय को, अपने भारत को, अपने पैरों के नीचे की जमीन को पहचानने वाला साबित नहीं कर पाये हैं। जिन्दा कौमें पांच वर्ष तक इन्तजार नहीं करतीं, उसने चौदह गुना इंतजार कर लिया है। यह विरोधाभास नहीं, दुर्भाग्य है, या सहिष्णुता कहें? जिसकी भी एक सीमा होती है, जो पानी की तरह गर्म होती-होती 50 डिग्री सेल्सियस पर भाप की शक्ति बन जाती है। देश को बांटने एवं तोड़ने वाले मुद्दे कब तक भाप बनते रहेंगे? भाजपा को चुनौती देनी है तो विपक्षी दलों को अपना चरित्र एवं साख दोनों को नये रूप में एवं सशक्त रूप में प्रस्तुति देनी होगी। अन्यथा इन लोकसभा चुनावों की तरह आगे के जितने भी चुनाव होंगे उनके चुनाव परिणाम इसी तरह निराश करते रहेंगे।

इससे विचित्र और हास्यास्पद और कुछ नहीं कि कांग्रेस समेत अन्य इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एक ओर जोर-शोर से यह दावा करने में लगे हैं कि उनके गठबंधन को लोकसभा चुनाव में 295 सीटें मिल रही हैं, सपा नेता अखिलेश उत्तरप्रदेश में 80 में 79 सीटों पर जीत का दावा किया, जब एग्जिट पोल ने उनके इन दावों की पोल खोल दी, आज घोषित हो रहे चुनाव परिणामों में भाजपा जब ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है तो विपक्षी दलों के नेता मतगणना में गड़बड़ी की निराधार आशंकाएं जताकर भ्रम फैलाने में लगे हैं। भ्रम फैलाने की इसी कोशिश के तहत कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने यह अनर्गल दावा किया कि मतगणना को प्रभावित करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने देश के 150 जिलों के जिलाधिकारियों को फोन किया है। उन्होंने यह बेतुका आरोप लगाते हुए यह समझा होगा कि इससे उन्हें एक फर्जी नैरेटिव खड़ा करने में मदद मिलेगी और उनकी हार पर पर्दा पड़ जायेगा। यह विडम्बना एवं विसंगति विपक्षी दलों को मजबूत करने की बजाय लगातार कमजोर ही कर रही है। वैसे भी भारत में जितने भी राजनैतिक दल हैं, सभी ऊंचे मूल्यों को स्थापित करने की, आदर्श की बातों के साथ आते हैं पर सत्ता प्राप्ति की होड़ में सभी एक ही संस्कृति को अपना लेते हैं। मूल्यों की जगह कीमत की और मुद्दों की जगह मतों की राजनीति करने लगते हैं। चुनावों की प्रक्रिया को ही नहीं, चुनाव मतगणना की प्रक्रिया को भी विपक्षी राजनैतिक दलों ने अपने स्तर पर भी कीचड़ भरा कर दिया है। ऐसा स्वकल्याण की सोचने वाला विपक्ष किस तरह लोक कल्याण के मुद्दों को बल देगा? बिना विचारों के दर्शन और शब्दों का जाल बुने यही कहना है कि लोकतंत्र के इस सुन्दर नाजुक वृक्ष को नैतिकता के पानी और अनुशासन की ऑक्सीजन चाहिए। जीत किसी भी दल को मिले, लेकिन लोकतंत्र को शुद्ध सांसें मिलनी ही चाहिए।

कुल मिलाकर लोकसभा चुनावों में भाजपा की जीत से तो पार्टी के हौसले स्वाभाविक रूप से बढ़े। इसके अलावा मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस कमजोर होती दिखी, कमजोर ही क्या उसका तो लगभग सफाया ही होता जा रहा है। कांग्रेस के निष्प्रभावी केन्द्रीय नेतृत्व के कारण कांग्रेस के कई कद्दावर नेता अलग हो गए। उससे भी भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है। इस बार कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी कमजोर पार्टी बनकर उभरी है। उसकी कमजोरी न केवल राजनीतिक स्तर पर बल्कि मानसिक स्तर पर स्पष्ट दिख रही है। कांग्रेसी एवं विपक्षी नेताओं की हरकतों से यदि कुछ स्पष्ट है तो यही कि वे अपनी संभावित हार का ठीकरा चुनाव आयोग, मीडिया आदि पर फोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। यही कारण है कि उन्होंने एक्जिट पोल के नतीजों को न केवल अस्वीकार कर दिया, बल्कि उन्हें भाजपा प्रायोजित भी करार दिया। एक्जिट पोल को लेकर कांग्रेस इतनी दुविधाग्रस्त थी कि पहले उसने टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चा का बहिष्कार करने का फैसला किया और फिर फजीहत होती देखकर उसमें शामिल होने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि लोगों ने राजग सरकार को फिर से चुनने के लिए रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया है। क्योंकि लोगों ने हमारी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड देखा है। हमारी सरकार के कार्यकाल में गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों के जीवन में गुणात्मक सुधार आया है। लोगों ने यह भी देखा है कि किस प्रकार भारत में सुधारों ने देश को पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बना दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए यहां तक कह दिया कि अवसरवादी इंडिया गठबंधन मतदाताओं के दिलों को छूने के बजाय घायल ही किया। मोदी सरकार के तौर-तरीकों पर आम जनता का विश्वास ही इस ऐतिहासिक जीत का कारण बना है। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति, महंगाई, बेरोजगारी, आरक्षण, अर्थव्यवस्था, संविधान जैसे तमाम मुद्दे थे जिस पर जनता ने मोदी सरकार की नीतियों एवं साफ-सुथरी छवि पर मुहर लगायी है। कानून व्यवस्था, राजनीतिक अपराधियों पर अंकुश और केंद्र की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जनता को साफ संदेश मिला कि भारत में विकास, सुशासन, सुरक्षा एवं शांतिपूर्ण जीवन के लिये मोदी ही सबसे उपयुक्त है। ऐसे में ताजा नतीजे भाजपा की रणनीति एवं सिद्धान्तों पर खरे उतरें। चुनाव परिणामों का संबंध चुनावों के पीछे अदृश्य 'लोकजीवन' से, उनकी समस्याओं से होता है। संस्कृति, परम्पराएं, विरासत, विकास, व्यक्ति, विचार, लोकाचरण से लोक जीवन बनता है और लोकजीवन अपनी स्वतंत्र अभिव्यक्ति से ही लोकतंत्र स्थापित करता है, जहां लोक का शासन, लोक द्वारा, लोक के लिए शुद्ध तंत्र का स्वरूप बनता है। जब-जब चुनावों में लोक को नजरअंदाज किया गया, चुनाव परिणाम उलट होते देखे गये हैं। लोकसभा के इन चुनाव परिणामों से विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों को सबक लेने की अपेक्षा है।

कटाक्ष

मुकेश राठौर

लेखक व्यंग्यकार हैं।

खबर जो आपके लिए जानना बहुत जरूरी है!

दोपहर कमर सीधी करने के इरादे से मैं अपने कमरे में गया। पैंतालिस डिग्री गर्मी में आदमी जायेगा भी कहां! देखता हूं कि देश,दुनिया बल्कि ब्रह्मांड के सबसे बड़े एक न्यूज चैनल पर खबर चल रही थी 'खबर जो आपके लिए जानना बहुत जरूरी है' फिर क्या था! मैं कमर सीधी करने की जगह नज़र सीधी कर सीधे जाकर चारपाई पर बैठ गया। जब-जब भी टीवी पर शीशा टूटने की आवाज के साथ ब्रेकिंग न्यूज लिखा आता है तो लगता है कोई बड़ी मुसीबत आने वाली थी जिसे शीशे ने अपने ऊपर ले लिया और अब टीवी के शीशे पर दिखने वाली है। हालांकि अभी कोई शीशा-वीशा नहीं टूट रहा था। अलबत्ता बुद्धि वर्धन-संवर्धन के संकेत जरूर दिए जा रहे थें। मैं घनघोर सोच में डूबा था कि आखिर ऐसी कौन सी खबर है जो मेरे लिए जानना बहुत जरूरी है।

मैं विचारने लगा इन दिनों स्कूली बच्चों के नतीजें घोषित हो रहे हैं,हो सकता है सफल बच्चों की कोई खबर होगी,जो अपने बच्चों के खातिर मेरे लिए जानना बहुत जरूरी हो!

या फिर प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी में लगे युवाओं की कोई खबर हो जो फिर पेपर लीक होने से सड़क पर उतर आए हो।

या फिर,फिर किसी चयन परीक्षा में किसी एक ही परीक्षा केंद्र के परीक्षार्थियों ने टॉप टेन स्थानों पर कब्जा कर लिया हो।

या फिर किसी गांव में पेयजल और पक्की सड़क को तरसते ग्रामीणों द्वारा चुनावी बेला में वोट मांगने आए नेताजी को उल्टे पांव लौटा दिया हो।

या फिर,फिर कोई बच्चा खुले बोरवेल में गिर गया हो!

या फिर कर्ज से परेशान कोई किसान फांसी पर लटक गया हो!

या फिर सीमा पर कोई सैनिक शहीद हो गया हो!

या फिर आईपीएल के दावेदारों पर खबर हो!

या फिर किसी उद्योगपति के बेटे/बेटी की प्री वेडिंग वाली खबर हों!

या फिर,फिर कोई अभिनेत्री मां बनने वाली हो!

या फिर किसी मूवी ने पहले ही दिन सौ करोड़ कमा लिए हो।

या फिर किसी नेता ने बिगड़े बोल बोल दिए हो!

या फिर किसी नेता ने अपनी जात बताते हुए किसी देवता की जात बता दी हो!

या फिर किसी ... नेता पर इडी ने कार्यवाही कर डाली हो!

या फिर पाकिस्तान में आटे-दाल के भाव बढ़ गए हो!

या फिर हिंदुस्तान में पेट्रोल-डीजल के भाव घट गए हो7

या फिर,या फिर,या फिर...!!! अब इनके अलावा देश में खबर बनती और बचती ही कहां है!!

लेकिन नहीं। मेरे सारे अनुमान बेबुनियाद निकलें। जैसे बाबा रहीम पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद निकलें। भला हो विज्ञापनों का जो मुझे घड़ी भर बल्कि घंटे भर सोचने,विचारने,अनुमान लगाने का समय दे दिया। खबर शुरू हुई। मौका-ए बावर्चीखाने से एंकरनी बताने लगीं, क्या आप जानते हैं कि देश के फलां शहर का मटन बहुत माना हुआ है। वह घूम-घूम कर उबलते मटन दिखाने लगीं। मटन झटकते मानवों से बारी-बारी यहां के मटन पर उनके अनुभव सुनाने और दिखाने लगी। लोग गर्व से पेट चौड़ा कर बता रहे थे कि वाह! वाह! इधर के मटन के तो क्या कहने! जिसने एक बार खा लिया वह तो समझो निहाल हो गया। वे फलां जगह से साल में पचासों बार मीलों चलकर इधर सिरीफ मटन खाने के वास्ते आते हैं। आधे घंटे चली यह खास खबर घंटे भर भी चल सकती थी यदि कमबख्त ब्रेक का समय न हुआ होता!

मैं शुद्ध शाकाहारी मानुष समझ नहीं पा रहा था कि यह खबर मेरे लिए जानना बहुत जरूरी क्यों है?आप समझा सकते हो तो कृपया कर समझाना मुझे।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

इंद्रजीत कौर

लेखिका व्यंग्यकार हैं।

कहानी खत्म नहीं हुई

मेरी माँ छोटी थी तो नानी से कहानी सुनाने की जिद करती थी। वो कभी-कभार किस्से-कहानियाँ सुना देतीं थीं पर ज़्यादातर झुंझलाकर 'शॉर्टकट' अपना लेतीं थीं। एक ही पंक्ति कह देती कि एक था राजा, एक थी रानी, दोनों मर गए खत्म कहानी । मनबहलाव के लिये यही कहानी माँ ने मुझे सुनाई और मैं अपने बच्चों को सुना देतीं हूँ । इसमें कोई शक नहीं कि आगे की पीढ़ी भी अपने आने वाली पीढ़ी को यह सुनायेगी । परंपरा चलती रहेगी। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हर पीढ़ी के बच्चे इसे सुनकर दुख महसूसे होंगें और आगे भी महसूसेंगे ।

शोधकर्ता बताते हैं कि पुराने समय में कुछ मंत्री राजा-रानी से परेशान हो गए थे, लेकिन अंदर ही अंदर वे राजा जैसा बनना भी चाहते थे। उन्होंने राजा-रानी को मार दिया और बोले कि राजतंत्र खत्म हो गया, अब राजशाही नहीं चलेगी। पर अंदर ही अंदर उन लोगों की खिचड़ी पकती रही । राजा जैसा रहन-सहन वो खुद भी चाहते थे लेकिन जनता के आँखों पर एक अच्छे तंत्र का पर्दा लगाना चाहते थे। उन्हें नाम परिवर्तन ही उपाय सुझा। 'कुछ लोगों का राजतंत्र' के बजाय सफेद मुखौटे वाला नाम 'लोकतंत्र' रख दिया। इस प्रणाली की आड़ में हर तंत्र के मजे लिए जा सकते थे इसलिए यह नाम आज तक चला आ रहा है। पर्दे में कहीं भी खरोंच नहीं आई है। सफलतापूर्वक काम चल रहा है।

इसे कई तरह से समझा जा सकता है। पहले राजतंत्र में वंश परंपरा चलती थी। राजा का पुत्र ही सिंहासन पर बैठता था और चल-अचल संपत्ति का मालिक होता था। आज भी लोकतन्त्र के बावजूद हर दल में परिवारवाद धड़ल्ले से चल रहा है। जनसेवा का व्यवसाय पुत्र-पुत्री, पौत्र-पौत्री, भाई-बहन, मामा-भांजा आदि बखूबी संभाल ले जा रहें हैं। हर तरह की विरासत परिवार में संभली और सुरक्षित रहती है। इधर-उधर नहीं बिखरती है ।

पहले राजा को देवता के समान माना जाता था। जेम्स प्रथम भी बोले थे कि राजाओं को देवता कहना बिलकुल ठीक है क्योंकि वे पृथ्वी पर दैवी शक्ति की तरह व्यवहार करते हैं। आज के शाषक भी देवता से कम नहीं है। जीते जी मूर्ति स्थापित करना, अपनी पूजा करवाना, जय-जयकार से खुश होना, अवज्ञा करने वाले पापियों का संहार करना, आज्ञा मानने वालों की जेबें भरना, उन्हें अच्छे पद बांटते रहना आदि दैवीय शक्ति के लक्षणों को ही दर्शाते हैं। श्राप और वरदान का खेल खूब चलता है।

एक समय था कि राजा ही कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका का कार्य देखता था । वही कानून बनाकर लागू करवाता और न मनाने वालों को कडा दंड देता था। वर्तमान समय में लोकतन्त्र की स्थापना के बाद संविधान मे तीनों को अलग कर दिया गया है फिर भी कई घटनाओं से लगता है कि तीनों एक हैं यानि कि 'थ्री इन वन पीस' अर्थात मेरी बात नहीं मानी लो ठाँय-ठाँय। लोकतन्त्र के पर्दे के पीछे विभिन्नता में एकता स्थापित हो जाती है ।

एक बात और, प्रायः राजा अपना साम्राज्य बढ़ाने के लिए दूसरे देशों पर आक्रमण करते थे। उसे जीतकर अपने राज्य की सीमा में मिलाते और शक्तिशाली बनते थे। आज महानुभाव लोग दूसरे समूह के सदस्यों को अपने में शामिल करके 'सुपर पावर' बन जातें हैं । सीन यह होता है कि कई छोटेबड़ेमोटे दल रात को अपनी पूरी सेना के साथ सोते हैं। सुबह उठते ही पातें हैं कि कोई गायब हो गया और दूसरे ग्रुप में चला गया। कई समूहों में तो सेनापति भी गायब पाये गयें हैं। चूंकि जनता के लिए लोकतन्त्र का मंच है इसलिए वो सोच में पड़ जाती है कि उसने 'कटोरा' के निशान पर जिस नेता को वोट दिया था, अब वो 'गुल्लक' चिन्ह वाले के पास क्यों चले गए है? नेता जी तो बोले थे कि 'गुल्लक' में छेद है, उसे वोट नहीं देना, 'कटोरा' को ही देना है, वो ही आपका अपना है । पर बेचारी जनता आलतू-फालतू सोचती-विचारती है, उधर सम्राज्य का विस्तार होता रहता है।

तो यह कहना कि राजा-रानी मर गये, कहानी खत्म हो गई है, पूरी तरह गलत और निराधार है। राजा-रानी हमेशा जीवित हैं और रहेंगे। बस, पद और तंत्र का नाम बदलता रहेगा। पर्दा टंगा रहेगा।

'हिन्दवी स्वराज्य' की स्थापना

लोकेन्द्र सिंह

लेखक छत्रपति शिवाजी महाराज के दुर्गों पर केंद्रित पुस्तक 'हिन्दवी स्वराज्य दर्शन' के लेखक हैं।

नियती से भेंट का दिन 'हिन्दू साम्राज्य दिवस'

स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। कहते हैं कि यदि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म न होता और उन्होंने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तब भारत अंधकार की दिशा में बहुत आगे चला जाता। महान विजयनगर साम्राज्य के पतन के बाद भारतीय समाज का आत्मविश्वास निचले तल पर चला गया। अपने ही देश में फिर कभी हमारा अपना शासन होगा, जो भारतीय मूल्यों से संचालित हो, लोगों ने यह कल्पना करना ही छोड़ दिया। तब शिवाजी महाराज ने कुछ पराक्रमी मित्रों के साथ 'स्वराज्य' की स्थापना का संकल्प लिया और अपने कृतित्व एवं विचारों से जनमानस के भीतर भी आत्मविश्वास जगाया। गोविन्द सखाराम सरदेसाई 'द हिस्ट्री ऑफ द मराठाज-शिवाजी एंड हिज टाइम' में लिखते हैं कि मुस्लिम शासन में घोर अन्धकार व्याप्त था। कोई पूछताछ नहीं, कोई न्याय नहीं।

आज का दिन बहुत पावन है। आज से ठीक 350 वर्ष पूर्व ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम संवत् 1731 को (तद्नुसार 6 जून, 1674) छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'हिन्दवी स्वराज्य' की स्थापना की थी। स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। कहते हैं कि यदि छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म न होता और उन्होंने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तब भारत अंधकार की दिशा में बहुत आगे चला जाता। महान विजयनगर साम्राज्य के पतन के बाद भारतीय समाज का आत्मविश्वास निचले तल पर चला गया। अपने ही देश में फिर कभी हमारा अपना शासन होगा, जो भारतीय मूल्यों से संचालित हो, लोगों ने यह कल्पना करना ही छोड़ दिया। तब शिवाजी महाराज ने कुछ पराक्रमी मित्रों के साथ 'स्वराज्य' की स्थापना का संकल्प लिया और अपने कृतित्व एवं विचारों से जनमानस के भीतर भी आत्मविश्वास जगाया। गोविन्द सखाराम सरदेसाई 'द हिस्ट्री ऑफ द मराठाज-शिवाजी एंड हिज टाइम' में लिखते हैं कि 'मुस्लिम शासन में घोर अंधकार व्याप्त था। कोई पूछताछ नहीं, कोई न्याय नहीं। अधिकारी जो मर्जी करते थे। महिलाओं के सम्मान का उल्लंघन, हिंदुओं की हत्याएं और धर्मांतरण, उनके मंदिरों को तोड़ना, गोहत्या और इसी तरह के घृणित अत्याचार उस सरकार के अधीन हो रहे थे। निज़ाम शाह ने जिजाऊ माँ साहेब के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की खुलेआम हत्या कर दी। बजाजी निंबालकर को जबरन इस्लाम कबूल कराया गया। अनगिनत उदाहरण उद्धृत किए जा सकते हैं। हिन्दू सम्मानित जीवन नहीं जी सकते थे'। ऐसे दौर में मुगलों के अत्याचारी शासन के विरुद्ध शिवाजी महाराज ने ऐसे साम्राज्य की स्थापना की जो भारत के 'स्व' पर आधारित था। उनके शासन में प्रजा सुखी और समृद्ध हुई। धर्म-संस्कृति फिर से पुलकित हो उठी।

कहना होगा कि चारों ओर जब पराधीनता का गहन अंधकार छाया था, तब छत्रपति शिवाजी महाराज प्रखर सूर्य की भाँति हिन्दुस्तान के आसमान पर चमके थे। शिवाजी महाराज ऐसे नायक हैं, जिन्होंने मुगलों और पुर्तगीज से लेकर अंग्रेजों तक, स्वराज्य के लिए युद्ध किया। भारत के बड़े भू-भाग को आक्रांताओं के चंगुल से मुक्त कराकर, वहाँ 'स्वराज्य' का विस्तार किया। जन-जन के मन में 'स्वराज्य' का भाव जगाकर शिवाजी महाराज ने समाज को आत्मदैन्य की परिस्थिति से बाहर निकाला। 'स्वराज्य' के प्रति समाज को जागृत करने के साथ ही उन्होंने ऐसे राज्य की नींव रखी, जो भारतीय जीवनमूल्यों से ओतप्रोत था। शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की व्यवस्थाएं खड़ी करते समय 'स्व' को उनके मूल में रखा। 'स्व' पर आधारित व्यवस्थाओं से वास्तविक 'स्वराज्य' को स्थापित किया जा सकता है।

भारत का भाग्य भी देखिए कि एक बार फिर यह देश अपने 'स्व' के साथ विश्व पटल पर प्रभावशाली भूमिका में स्थापित हो रहा है। एक बार फिर भारत सहित दुनियाभर में बसे भारतीय नागरिकों के हृदय आत्मविश्वास और आत्मगौरव से भर गए हैं। इस स्थिति में आज की शासन व्यवस्था को हिन्दवी स्वराज्य की नीति और सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए। जैसे शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना करते समय आक्रांताओं की थोपी हुई व्यवस्थाओं को हटाकर भारत के 'स्व' के आधार पर नयी व्यवस्थाएं खड़ी कीं, उसी तरह वर्तमान शासन व्यवस्था को भी बची-खुची औपनिवेशिक दासता की पहचान को उखाड़कर फेंक देना चाहिए और भारत की नीतियों को 'स्व' का आधार देना चाहिए। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने करवट बदली है। नये भारत ने अपने 'स्व' के आधार पर राष्ट्र निर्माण के पथ पर आगे बढ़ना प्रारंभ कर दिया है। प्रतीकों से लेकर नीतियों तक में 'स्व' परिलक्षित हो रहा है। ऐसे में छत्रपति शिवजी महाराज की जीवनयात्रा एवं उनके द्वारा स्थापित 'हिन्दवी स्वराज्य' की संकल्पना का स्मरण अत्यंत प्रासंगिक एवं प्रेरणास्पद होगा। हमें याद रखना चाहिए कि छत्रपति शिवाजी महाराज राजसी वैभव को भोगने के लिए नहीं अपितु धर्म एवं संस्कृति के रक्षा हेतु 'स्व' आधारित राज्य की स्थापना की। उन्होंने 'स्वराज्य' का विचार दिया तो यह नहीं कहा कि यह मेरा मत है, मेरी अभिलाषा है, अपितु उन्होंने यह विश्वास जगाया कि 'स्वराज्य की स्थापना श्री की इच्छा है'। स्वराज्य स्थापना के समय अष्टप्रधान मंडल की रचना, फारसी और अरबी भाषा के शब्दों को हटाकर संस्कृतनिष्ठ एवं मराठी शब्दों के प्रचलन पर जोर देते हुए 'राज्य व्यवहार कोश' का निर्माण, कालगणना हेतु श्रीराजाभिषेक शक का प्रारम्भ, संस्कृत राजमुद्रा का उपयोग, प्रशासनिक व्यवस्था, कृषि एवं श्रम सुधार, सामाजिक उत्थान, न्याय व्यवस्था, तकनीक और विज्ञान में भी 'स्व' के आधार पर नवाचारों को प्रधानता देकर छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'स्वराज्य' के आदर्श को प्रतिपादित किया।

दुर्गदुर्गेश्वर श्रीरायगढ़ के शिखर पर सम्पन्न हुई श्रीशिवराज्याभिषेक की घटना ने भारतीय इतिहास को एक दिशा देने का काम किया। अंधकार की ओर बढ़ते भारत को उजाले के पथ पर अग्रसर किया। आत्मविस्मृति के दौर से गुजर रहे हिन्दुओं को गौरव की अनुभूति करायी। हिन्दुओं के पुरुषार्थ को जगाने का काम भी इस घटना ने किया। श्रीशिवराज्याभिषेक की इस घटना ने भारत पर कब्जा करते जा रहे मुगलों को संदेश दिया कि भरत-भू पर अभी 'हिन्दू पदपादशाही' का ही शासन है। इस घटना ने समूचे भारत में स्वराज्य की भावना को प्रबल कर दिया। सह्याद्रि की गोद से उठी स्वराज्य की इस प्रखर ज्योति ने भारत के भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए कहना होगा कि यह दिन भारत का उसकी नियति से भेंट का दिन भी है।

शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित 'हिन्दवी स्वराज्य' का दर्शन आज भी हमारे लिए पथप्रदर्शक है। आज भी हमें 'हिन्दवी स्वराज्य' के आदर्श को अपने सम्मुख रखना चाहिए। हिन्दवी स्वराज्य से प्रेरणा लेकर भारत की शासन व्यवस्था को 'स्व' का आधार देकर कल्याणकारी बनाने की दिशा में थोड़ा अधिक गति से काम करने की आवश्यकता है।

उभरता सितारा

सतीश सिंह

उम्र की सीमा को तोड़ते हौसले

प्रसिद्ध शायर दुष्यंत कुमार ने एके सिंह, जिनका पूरा नाम अवधेश कुमार सिंह के लिये ही कभी लिखा था,'कौन कहता है, आसमान में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबियत से उछालो यारों'। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, अहमदाबाद, गुजरात में पदस्थापित क्षेत्रीय आयुक्त-1,श्री सिंह ने इस कथन को सही मायनों में चरितार्थ किया है।

पूर्व में 50 वर्ष आयुवर्ग और अब 55 वर्ष आयुवर्ग में श्री सिंह मैराथन में देश के उभरते सितारे हैं। मूल रूप से बिहार के पखनपुर, थाना हिलसा, जिला नालंदा के रहने वाले श्री सिंह की पृष्ठभूमि खेल की नहीं रही है। पूर्व में उन्होंने स्कूल या कॉलेज या फिर जीवन के किसी भी कालखंड में कभी भी किसी भी खेल में हिस्सा नहीं लिया है।

श्री सिंह की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी प्रभावशाली रही है। कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में तो वे ऑल इंडिया टॉपर रहे हैं। कई सरकारी नौकरियाँ कर चुके हैं। संघ लोकसेवा आयोग द्वारा 1998 में आयोजित सहायक आयुक्त,कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की परीक्षा में श्री सिंह का मेरिट लिस्ट में 22वां स्थान रहा था।

2015 में कोलकाता पदस्थापना के दौरान श्री सिंह ने मैराथन के बारे में पढ़ा। साथ में यह भी जाना कि जो भी प्रतिभागी दौड़ को पूरा करते हैं उन्हें पदक दिया जाता है। चूंकि, श्री सिंह नियमित रूप से सैर करते थे, इसलिए, उन्हें लगा कि वे भी मैराथन दौड़ सकते हैं और उन्होंने बिना देर किए एयरटेल दिल्ली मैराथन,बड़ौदा अल्ट्रा मैराथन और 25 किलोमीटर के कोलकाता मैराथन के लिए अपना नामांकन करवा लिया।

श्री सिंह ने पहली बार 2015 में 45 वर्ष से अधिक उम्र संवर्ग में बड़ौदा अल्ट्रा हॉफ मैराथन में हिस्सा लिया और 23वां स्थान हासिल किया। पहले प्रयास में सम्मानजनक स्थान हासिल करने से उनके आत्मविश्वास में अभूतपूर्व इजाफा हुआ। इसके बाद, 2015 में ही श्री सिंह ने दिल्ली और कोलकाता हॉफ मैराथन में हिस्सा लिया। कोलकाता हॉफ मैराथन में श्री सिंह ने 19वां स्थान हासिल किया तो दिल्ली हॉफ मैराथन में 153वां। तीनों उपलब्धियां,श्री सिंह ने बिना किसी प्रशिक्षण के हासिल की,जिससे उनके हौसले में अभूतपूर्व इजाफा हुआ। उन्हें लगा कि यदि मैराथन का पेशेवर प्रशिक्षण लिया जाये तो आसानी से वे अपने आयु वर्ग में गोल्ड मेडल जीत सकते हैं।

संयोग से,नवंबर, 2015 में ही,श्री सिंह का तबादला पंजाब के लुधियाना शहर में हो गया। वे जानते थे कि खेल के मामले में पंजाब देश में अव्वल है। इसलिए,उन्हें यहाँ एक अच्छा कोच मिल सकता है। इस दौरान श्री सिंह ने ओ पी जैयशा के जीवन के बारे में लेख पढ़ा। लेख,जैयशा के जीवन संघर्ष के बारे में था,मसलन,जैयशा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कैसे सफलता की ऊंचाइयों तक पहुँची। उसी लेख में,श्री सिंह को जैयशा के पति और एथलीट के कोच श्री गुरमीत सिंह जी के बारे में जानकारी मिली।

यह भी पता चला कि जैयशा को सफलता के शिखर तक पहुंचाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान श्री गुरमीत जी का रहा है। लेख में बताया गया था कि श्री गुरमीत लुधियाना से हैं। श्री सिंह ने श्री गुरमीत जी से उन्हें प्रशिक्षित करने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। महज 6 महीनों के पेशेवर प्रशिक्षण के बाद,श्री सिंह ने जुलाई, 2016 में चंडीगढ़ के 21 किलोमीटर हॉफ मैराथन, रन द नाइट ग्लो में हिस्सा लिया और अपने आयु वर्ग में गोल्ड मेडल जीता। इस प्रतियोगिता में, श्री सिंह को ओवरऑल 12वां स्थान हासिल हुआ। श्री सिंह ने अगस्त, 2016 में मुंबई में हुएआईडीबीआई हॉफ मैराथन में छठा स्थान प्राप्त किया तो अक्टूबर,16 में आयोजित बड़ौदा अल्ट्रा हाफ मैराथन में चौथा स्थान। दिसंबर, 2016 को टाटा स्टील द्वारा

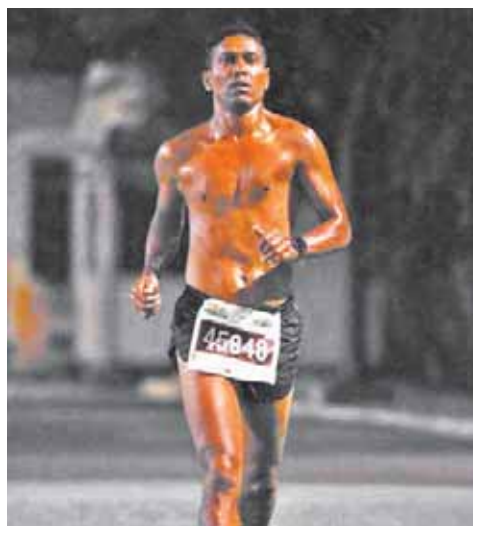

आयोजित की जाने वाली कोलकाता हॉफ मैराथन में श्री सिंह ने तीसरा स्थान हासिल किया।

20 नवंबर, 2016 को दिल्ली में आयोजित एयरटेल डेल्ही हॉफ मैराथन में श्री सिंह ने 19वां स्थान हासिल किया। यह उपलब्धि उन्होंने चिकनगुनिया से पीड़ित होने के बाद हासिल किया था। श्री सिंह ने इस हॉफ मैराथन को 1 घंटा 38 मिनट में पूरा किया था,जबकि 2015 में इसी दूरी को तय करने में उन्होंने 1 घंटा 55 मिनट का समय लिया था और उनका 153वां स्थान रहा था।

उपलब्धि के दृष्टिकोण से यह एक लंबी छलांग थी। श्री सिंह ने 2016 में हुए आईडीबीआई मुंबई हॉफ मैराथन में छठा स्थान हासिल किया तो 2017 में मुंबई में आयोजित स्टैंडर्ड चार्टर्ड हॉफ मैराथन में चौथा स्थान हासिल किया। 2017 के दिसंबर में पटना में हुए हॉफ मैराथन में श्री सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया।

श्री सिंह के हॉफ मैराथन का कारवां यूं ही आगे बढ़ रहा था। इसी बीच, उन्हें बोस्टन मैराथन के बारे में पता चला। लोगों ने कहा कि बिना बोस्टन मैराथन दौड़े आपके मैराथन दौड़ने का सफर अधूरा है। चूँकि, बोस्टन मैराथन फुल यानी 42 किलोमीटर का होता है। इसलिये, श्री सिंह ने हॉफ मैराथन की जगह फुल मैराथन दौड़ना शुरू कर दिया।

फिर,2017 में ही लॉन्गफोर्ड, आयरलैंड में अगस्त महीने में हुए फुल मैराथन में श्री सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। फिर भी,वे बोस्टन मैराथन के लिये पात्रता हासिल नहीं कर सके। पुनश्च: 2017 में हुए आईडीबीआई दिल्ली फुल मैराथन में उन्होंने 13वां स्थान हासिल किया, लेकिन अपने लक्ष्य को हासिल करने से चूक गये। वर्ष 2018 में हुए आईडीबीआई दिल्ली फुल मैराथन में श्री सिंह ने 9वां स्थान हासिल करते हुए बोस्टन मैराथन की पात्रता हासिल कर ली। यह दूरी श्री सिंह ने 3 घंटे 24 मिनट में पूरी की।

श्री सिंह ने 2019 में बोस्टन मैराथन में हिस्सा लिया। यह श्री सिंह के सपने के साकार होने जैसा था, क्योंकि बोस्टन मैराथन को दुनिया भर में मैराथन का मक्का-मदीना माना जाता है। उसके बाद,अप्रैल, 2018 में चंडीगढ़ में आयोजित डेली वर्ल्ड फुल मैराथन को 3 घंटे 32 मिनट में पूरी करते हुए गोल्ड मेडल जीतने का गौरव हासिल किया। श्री सिंह डेली वर्ल्ड मैराथन के ब्रांड एमबेस्डर भी रहे हैं।

श्री सिंह 2017 एवं 2018 में पंजाब मास्टर एथलेटिक्स के 400 व 800 मीटर में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। श्री सिंह ने 2019 में गुंटूर में संपन्न हुए राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते 800 मीटर संवर्ग में कांस्य पदक भी जीत चुके हैं। वैसे, श्री सिंह स्वर्ण पदक के हकदार थे, लेकिन फिनिशिंग लाइन से कुछ मीटर पहले गिर जाने की वजह से उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

श्री सिंह 2019 में मलेशिया की राजधानी क्वालालांपुर में आयोजित की गई एशियाई खेल में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए 800 मीटर संवर्ग में 2.25 मिनट का समय लेकर 5वां स्थान प्राप्त कर चुके हैं। आम तौर पर मैराथन दौड़ने वाले 400 या 800 मीटर जैसी कम दूरी की स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते हैं। यह श्री सिंह की विलक्षण प्रतिभा ही है कि वे मैराथन और छोटी दूरी की स्पर्धाओं में साथ-साथ अपनी जीत का परचम लहरा रहे हैं।

2020 में कोरोना के आक्रमण से दुनिया थम सी गई थी। हर जगह डर और खौफ का माहौल था। ऐसे आपातकाल में श्री सिंह का मैराथन दौड़ना भी बंद हो गया, लेकिन जैसे ही महामारी का प्रकोप कम हुआ, श्री सिंह ने सितंबर 2021 में आयोजित की गई शिवालिक हिल्स हॉफ मैराथन में हिस्सा लिया और बिना अभ्यास के चौथा स्थान हासिल किया।

2022 और 2023 के सितंबर महीने तक पारिवारिक कारणों से श्री सिंह अभ्यास एवं मैराथन दोनों से दूर रहे, लेकिन 15 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित वेदांता हॉफ मैराथन में बिना तैयारी के 26वां स्थान हासिल किया। श्री सिंह ने पुनः 26 नवंबर 2023 को अहमदाबाद में आयोजित किये गये अडानी फुल मैराथन में 3 घंटे, 55 मिनट और 57 सेकेंड समय के साथ सातवाँ स्थान हासिल किया। फिर, चंडीगढ़ में 18 फरवरी 2024 को आयोजित सीएफएम फुल मैराथन में श्री सिंह ने 3 घंटे 32 मिनट और 1 सेकेंड समय के साथ ओवरऑल 16वां रैंक हासिल किया। साथ ही,बोस्टन एवं शिकागो मैराथन में हिस्सा लेने की पात्रता भी हासिल कर ली। अडानी मैराथन की तुलना में चंडीगढ़ मैराथन में श्री सिंह की टाइमिंग में काफी सुधार आया, जो दर्शाता है कि श्री फिर से ट्रैक पर आ चुके हैं और जल्द ही कुछ और शानदार उपलब्धियां श्री सिंह के खाते में आने वाली हैं।

आम चुनाव 24

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव

बहुत दिलचस्प है चुनावी-गाथा

सामान्य ज्ञान के किसी भी विद्यार्थी के लिये नक्शे में ऊंगली रखकर यह बताना कठिन होगा कि दादरा- नगर हवेली और दमण-दीव कहाँ है। यह भी उसे शायद ही ज्ञात हो कि इन दोनों केन्द्रशासित राज्यों का सन 2019 में विलय हो चुका है और अब वे एक ही प्रशासक के अधीन है। बहरहाल, चुनाव की बात करें तो यह एकीकृत प्रदेश अब दो सांसदों को चुनकर लोकसभा में भेजेगा। इस बार भी पूर्व की भांति यहां दोनों सीटों पर कांग्रेस और बीजेपी के दरम्यान कड़ा संघर्ष है।

दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की चुनावी गाथा बड़ी दिलचस्प है। सुंदर-सुरम्य दादरा- नगरहवेली का मुख्यालय सिलवासा है। यहां नदी है, हिरण-उद्यान है, लॉयन सफारी है, नक्षत्र गार्डन और ऐसा बहुत कुछ है, जो सैलानियों को लुभाता है। सन 2021 के उपचुनाव में यहाँ से शिवसेना की कलाबेन डेलकर चुनी जाकर लोकसभा में पहुंची थीं। उनके संसद में पहुंचने का संदर्भ उनके पति मोहनभाई डेलकर से जुड़ा हुआ है, जो सात बार यहाँ से चुने गये। कांग्रेस यहां से सन 67, 71 और 77 के चुनाव में जीती। सन 80 और 84 में निर्दल जीते तथा सन 91 और 96 में फिर कांग्रेस। सन् 98 में बीजेपी ने पहली बार यह किला फतह किया, लेकिन सन् 99 में निर्दलीय के हाथों में गंवा दिया। सन् 2004 में डेलकर ने यहाँ भारतीय नव- शक्ति पार्टी का परचम लहरा कर अपने राजनीतिक प्रभुत्व की पुष्टि की। सन् 2009 और सन् 2014 के चुनावों में बीजेपी ने किला जीता, लेकिन उसकी हॅटट्रिक की तमन्ना पूरी नहीं हो सकी। सन् 2019 में बतौर निर्दलीय प्रत्याशी डेलकर ने बीजेपी के नाटूभाई पटेल को करारी शिकस्त दी।

कांग्रेस, बीजेपी क्षेत्रीय पार्टी और निर्दल के बैनरतले फिर-फिर निर्वाचित लोकप्रिय और प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी डेलकर का अंत शोकांतिका में हुआ। मोहन डेलकर ने फरवरी सन् 21 में मुंबई के एक होटल में आत्महत्या कर ली। अपने कथित सुसाइड नोट में उन्होंने इसके लिये केन्द्रशासित राज्य के प्रशासक प्रफुल्ल खोडा पटेल को जिम्मेदार ठहराया। यह वही प्रफुल्ल भाई हैं, जो सन् 2010- 2012 के दरम्यानी अंतराल में गुजरात के कनिष्ठ गृहमंत्री रहे थे। बाद में केंद्र सरकार ने उन्हें प्रशासक बना दिया। 'द हिन्दु' की रपट के मुताबिक डेलकर ने जिन प्रफुल्ल भाई पर प्रताड़ना के आरोप लगाया था, वह आज भी प्रशासन पद पर आसीन हैं। कथा यहीं समाप्त नहीं होती। डेलकर के कैलाशवासी होने पर उपचुनाव हुआ, तो उनकी विधवा श्रीमती कलाबेन ने बतौर शिवसेना प्रत्याशी चुनाव लड़ा और बीजेपी के महेशभाई गावित को करीब 52 हजार मतों से परास्त कर संसद में पहुंचीं। यही कलाबेन अब दादरा-हवेली से बीजेपी की अधिकृत प्रत्याशी हैं और उनका सामना काँग्रेस के अजीत रामजीभाई माहला से है। करीब ढाई लाख वोटरों के अजजा केलिए आरक्षित इस क्षेत्र में सात मई को मतदान के पूर्व सघन प्रचार देखने को मिला। उधर 90 हजार मतदाताओं का लघुत्तम संसदीय क्षेत्र दमण-दीव भी तुमुलघोष में पीछे नहीं रहा। कोली बहुल सीट का संसद में प्रतिनिधित्व सन् 2009 से बीजेपी के लालू भाई बाबूभाई पटेल करते आ रहे हैं। गतचुनाव में उन्होंने कांग्रेस के केतन डाह्याभाई पटेल को करीब 10 हजार मतों से मात दी थी। निर्दल उमेश पटेल को करीब 20 हजार मत मिले थे और बतौर बसपा प्रत्याशी मैदान में उतरे शकील लतीफ को फकत 792। दमण दक्षिण गुजरात में वापी के समीप स्थित है, तो दीव सौराष्ट्र का तटीय क्षेत्र है। सन् 1987 से अब तक यहाँ से टंडेल और पटेल चुने जाते रहे हैं। शुरूआत में कांग्रेस के गोपालभाई टंडेल जीते और फिर निर्दल देवजी भाई टंडेल। सन् 91 में देवजी भाई बीजेपी की टिकट पर चुने गये, लेकिन सन 96 में गोपाल भाई ने किला फिर सर कर लिया। इस हार का बदला देवजी भाई ने सन् 98 में ले लिया। इसके बाद के दो चुनाव में डाह्याभाई पटेल जीते लेकिन बीजेपी के लालूभाई ने इसके बाद के तीनों चुनाव जीतकर शानदार हैट्रिक पूरी की। दमण-दीव में मुकाबला एक बार फिर से परंपरागत प्रतिद्वंद्वियों - कांग्रेस के केतन पटेल और बीजेपी के लालू पटेल के बीच है। केतन यहाँ से दो बार सांसद रहे डाह्याभाई के बेटे हैं। निर्दल उमेश पटेल भी मैदान में हैं। 28 अप्रैल को राहुल गांधी के आने और दमण में रैली को संबोधित करने से कांग्रेस के प्रचार को गति मिली है। राहुल ने प्रशासक प्रफुल्ल पटेल को जमकर आड़े हाथों लिया और दो टूक कहा कि हम सत्ता में आते ही प्रताड़ना के अंत के लिए प्रशासक को दफा कर देंगे और उन पर शिकंजा कसेंगे। इस बीच काँग्रेस ने प्रफुल्ल पटेल और लालूभाई पर मिलीभगत के आरोप तो चस्पां किये ही, लालू भाई पर गुजरात, दमण-दीव, दादरा-हवेली में शराब की तस्करी का लांछन भी लगाया।

दादरा के मुकाबले दमण में मुकाबला ज्यादा कठिन है। सन् 2019 में कलाबेन ने बीजेपी के नाटूभाई को हराया था। अब वह बीजेपी में है। इस केन्द्रशासित राज्य में पहले भी जर्सियां और टोपियां बदलती रही हैं। जीत किसी की भी हो, किंतु राजनीति चुनिंदा घरानों की मुट्ठी में थी और बनी रहेगी।

अभिभावकों को महंगी पुस्तकों और अनिवार्य ड्रेस सामग्री खरीदने के लिए बाध्य करने का आरोप

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, शिक्षा विभाग से की सख्त कार्रवाई की मांग

बैतूल। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने आरोप लगाया गया है कि जिले के निजी विद्यालय चयनित प्रकाशकों से सांठगांठ करके अभिभावकों को महंगी पुस्तकों और अनिवार्य ड्रेस सामग्री खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं। विद्यार्थियों और अभिभावकों का शोषण रोकने के लिए ग्राहक पंचायत ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष

श्रीपाद निर्गुडकर ने बताया कि अभिभावकों को एनसीईआरटी और माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश की पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इसके कारण छोटी-छोटी कक्षाओं के बच्चों की पुस्तकों का खर्च हजारों रुपये तक पहुंच गया है। श्रीपाद निर्गुडकर ने बताया कि विद्यालयों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही ड्रेस सामग्री खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे इन दुकानों द्वारा मनमाने रेट पर ड्रेस बेची जा रही है। इसके अलावा, निजी विद्यालयों द्वारा हर वर्ष फीस में भी मनमाना वृद्धि की जा रही है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अत्यधिक संख्या में पुस्तकों की खरीदारी के कारण छोटे-छोटे विद्यार्थियों के बस्ते का वजन शासन द्वारा निर्धारित वजन से बहुत अधिक हो गया है। इससे विद्यार्थियों का मानसिक और शारीरिक विकास बाधित हो रहा है।

सख्त कार्यवाही की मांग- ग्राहक पंचायत ने शिक्षा विभाग द्वारा बनाये गये जांच दलों में अपने कार्यकर्ताओं को शामिल करने की मांग की है ताकि शोषण की सच्चाई सामने आ सके और दोषी विद्यालयों, प्रकाशकों और विक्रेताओं के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में ग्राहक पंचायत के जिला अध्यक्ष श्रीपाद निर्गुडकर, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख दिनेश लिकितकर, बैतूल तहसील संयोजक संजय सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष आशीष नरवरिया, एडवोकेट सदस्य राजू मालवीय, संजय दीक्षित आदि सदस्य शामिल थे। इस ज्ञापन के माध्यम से अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने शिक्षा विभाग से इस गंभीर समस्या पर त्वरित और सख्त कदम उठाने की अपील की है ताकि विद्यार्थियों और अभिभावकों को हो रहे शोषण से निजात मिल सके।

सुक्कलढाना में खनिज रेत व गिट्टी के अवैध भंडारण पर प्रकरण दर्ज

बैतूल। चिचोली क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध भंडारण की शिकायत मिलने के बाद कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर पुलिस, खनिज एवं राजस्व अधिकारियों की टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम सुक्कलढाना में खनिज रेत व गिट्टी का अवैध भंडारण होने पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

उप संचालक (खनिज प्रशासन) श्री मनीष पालेवार ने बताया कि रविवार, सोमवार की रात्रि लगभग 1.30 बजे प्रभारी सर्वेयर ने पुलिस व राजस्व टीम के साथ निरीक्षण के दौरान चिरापाटला से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम सुक्कलढाना, हल्का चुरनी तहसील चिचोली में खनिज रेत व गिट्टी का अवैध भंडारण होना पाया गया। मौका निरीक्षण के दौरान पाया गया कि चिरापाटला निवासी महेन्द्र पिता दिनेश आर्य द्वारा स्वयं की भूमि पर 30 घनमीटर रेत एवं 30 घनमीटर गिट्टी का अवैध भंडारण किया गया था। उक्त खनिज महेन्द्र आर्य द्वारा अवैध रूप से व्यापारिक प्रयोजन हेतु भंडारित की गई थी। खनिज एवं राजस्व दल द्वारा पंचनामा बनाकर जप्त किए गए खनिज को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में दिया गया है। श्री पालेवार ने बताया कि उक्त प्रकरण पर मध्य प्रदेश अवैध खनन, परिवहन और भंडारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण न्यायालय कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत कर कार्यवाही की जा रही है।

अंडमान एक्सप्रेस की आरक्षित बोगी में हो रही थीं शराब तस्करी

85 हजार की अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी, तस्कर फरार

बैतूल। इन दिनों ट्रेनों मे तस्करों द्वारा अवैध शराब का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है।आरपीएफ पुलिस द्वारा अंडमान एक्सप्रेस ट्रेन मे चेकिंग के दौरान आमला रेलवे आरपीएफ पुलिस ने बड़ी मात्रा मे अंग्रेजी शराब पकड़ी है। आरपीएफ थाना प्रभारी निरंजन सिंह ने बताया कि वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त व नागपुर मंडल के अधिकारी के निर्देश पर आरपीएफ टीम के अपराध खुफिया शाखा आमला उपनिरिक्षक बदन सिंह मीणा,आरक्षक विकास कुमार,प्रधान आरक्षक अमित गोहे,आरक्षक गुड्डू कुमार द्वारा चेकिंग के दौरान अंडमान एक्सप्रेस ट्रेन के कोच नंबर एस6 के 55-56 के सीट के नीचे लावारिस हालत मे ट्राली बेग संदिग्ध अवस्था मिला था। जिससे हड़कंप मच गई थी,और आसपास यात्रियों के पूछताछ की गई। इसके बावजूद किसी व्यक्ति ने नहीं बताया कि किसका बेग है किसने रखा हुआ है। टीम ने बेग खोलने पर बड़ी मात्रा मे अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी थी।

प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने जिला जेल का किया औचक निरीक्षण

बैतूल। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण द्वारा सोमवार को जिला जेल बैतूल का औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों को दिए जाने वाले भोजन, साफ-सफाई तथा जेल परिसर का निरीक्षण कर बंदियों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी ली।

जिला जेल अधीक्षक श्री योगेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राण द्वारा निरीक्षण के दौरान बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना गया और उन्हें बंदियों को विधि सम्मत सलाह भी प्रदान की गई।

किसके सिर पर होगा सांसद का ताज, आज होगा फैसला

कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच तीन मार्गों पर ट्रैफिक भी डायवर्ट

संजय द्विवेदी, बैतूल। लोकसभा चुनाव के सातों चरण सम्पन्न होने के बाद आज 4 जून को ईवीएम मशीनें किस प्रत्याशी को सांसद के रूप में ताजपोशी होगी, यह उनके भाग्य का फैसला करेंगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी व पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के मार्गदर्शन में मतगणना को सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जेएच कालेज में आज सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। इसके पहले कड़ी सुरक्षा के बीच प्रशासनिक अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम मशीन स्ट्रांग रूम से निकाली जाएगी। सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती की जानी है। मतगणना को लेकर सुरक्षा के भी

कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। मतगणना स्थल के अंदर और बाहर लगभग 5 सैकड़ा सुरक्षाकर्मियों को ड्यूटी लगाई गई है। इस दौरान किसी भी अवांछित व्यक्ति को बिना अनुमति के अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। मतगणना में जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी को परिचय पत्र आवंटित किए गए हैं, ताकि कर्मचारियों की आसानी से पहचान की जा सके। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से जेएच कॉलेज के सामने का रास्ता आवागमन के लिए बंद रखा जाएगा।

परशुराम चौक और एलआईसी के सामने बैरिकेट लगाकर रास्ता बंद कराया जाएगा। यहां पर किसी की आवाजाही ना हो सके, इसके लिए पुलिस की ड्यूटी भी लगाई जाएगी।

मतगणना केंद्र में 2 हजार कर्मचारी करेंगे मतगणना- मिली जानकारी के मुताबिक बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा में आने वाली जिले की 5 विधानसभाओं में मिले वोटों की गिनती के लिए 2 हजार सरकारी कर्मचारियों की सेवाएं ली जा रही हैं। इनमे 1 हजार से लेकर 15 सौ कर्मचारी केवल मतगणना स्थल पर ही मौजूद रहेंगे। यहां कुछ कर्मचारियों को रिजर्व में भी रखा गया है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर रिजर्व कर्मचारियों की तत्काल सेवा ली जा सके। एएसपी कमला जोशी ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से मतगणना स्थल पर लगभग 420 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जा रहा है। जो मतगणना स्थल के अंदर और बाहर ड्यूटी करेंगे। पुलिस विभाग द्वारा भी 50 पुलिसकर्मियों को रिजर्व में भी रखा गया है। सुरक्षा की दृष्टि से पचमढ़ी से 15 पुलिसकर्मियों का बल बैतूल पहुंचा है।

आमला छोड़ शेष विकासखंड के लिए 15-15 राउंड- बैतूल जिले की सभी 5 विधानसभा क्षेत्रों के लिए आमला को छोड़कर 15-15 राउंड मतगणना के होंगे। आमला में मतगणना के 14 राउंड होंगे। ईवीएम की मतगणना बैतूल जिले की 5 विधानसभा क्षेत्रों के लिए बैतूल में ही होगी। हरदा, हरसूद और टिमरनी में ईवीएम की गणना उनके जिला मुख्यालय पर ही होगी। परंतु इन 3 जिलों के पोस्टल बैलेट की गणना बैतूल में बैतूल के पोस्टल बैलेट के साथ होगी। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि मतगणना के राउंड वाईस परिणामों की जानकारी लाउडस्पीकर के माध्यम से राउंड के पश्चात दी जाएगी। मोबाईल एवं कैमरो की अनुमति मीडिया सेंटर तक ही होगी। स्ट्रांग रूम से काउंटिंग टेबिल तक ईव्हीएम की हैण्डीकेन से वीडियोग्राफी की जा सकेगी। मतगणना के लिए एक विधानसभा के लिए दो कमरे आवंटित किए हैं।

तीन मार्गों पर कड़ी सुरक्षा के साथ ट्रैफिक किया परिवर्तित-

मतगणना के दौरान जेएच कॉलेज के सामने का रास्ता रात्रि में ही बंद कर दिया जाएगा। परशुराम चौक और एलआईसी कार्यालय के सामने बेरिकेट्स लगाए जाएंगे। कोठीबाजार से गंज जाने के लिए लोगों को शिवाजी चौक के रास्ते जाना पड़ेगा तो वहीं गंज से कोठीबाजार आने जाने के लिए भी यही रास्ता तय किया गया है। मतगणना परिसर में केवल सरकारी वाहनों को ही प्रवेश दिया जाएगा। आम लोगों को पार्किंग के लिए जे.एच कालेज के सामने बने प्रोफेसर कॉलोनी के समीप जगह दी गयी है। मतगणना स्थल से प्रत्येक राउंड खत्म होने के बाद माइक से घोषणा की जाएगी, कि किस प्रत्याशी को किस विधानसभा से कितने वोट मिले हैं।

मतगणना संबंधी व्यवस्थाओं का विधानसभा वार ऑब्जर्वर्स ने किया निरीक्षण

कलेक्टर-एसपी ने की रिहर्सल

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन के अनुक्रम में मुख्य ऑब्जवज़र प्रदीप कुमार ठाकुर और काउंटिंग ऑब्जर्वर्स महेश बाबू एन. ने जेएच कॉलेज स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी व कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने विधानसभावार की गई व्यवस्थाओं के बारे में उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास अक्षत जैन, पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने प्रेक्षकगणों को विधानसभावार काउंटिंग कक्षो का निरीक्षण में मतगणना टेबलों की जानकारी दी और प्रत्येक राउंड के बाद परिणाम के प्रसारण की व्यवस्था से अवगत कराया। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना का काम पूरा किया जाएगा। एसपी ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस महकमे के जिम्मेदारों को किसी भी तरह से चूक न

करने की हिदायत दी।

डबल लॉक से स्ट्रांग रूम से ईटीपीबीएस और पोस्टल बैलेट- 85+, दिव्यांग मतदाता एवं सर्विस वोटर्स की मतदान पेटियां ट्रेजरी के डबल लॉक से पुलिस प्रशासन की अभिरक्षा में जेएच कॉलेज स्थित मतगणना स्थल पर लाई गई। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के समक्ष पेटियों का जेएच कॉलेज तक परिवहन किया गया।

स्ट्रांग रूम से काउंटिंग टेबल तक- जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने प्रेक्षकगणों को बताया कि विधानसभा वार अलग-अलग कलर के परिचय पत्र बनाए गए है। मुलताई विधानसभा के लिए काउंटिंग कक्ष क्रमांक 20 एवं 21 में होगी। मुलताई के लिए प्रतिनिधियों के प्रवेश पत्र बैगनी कलर के होगे। आमला विधानसभा क्षेत्र के लिए कक्ष क्रमांक 18 एवं 19 में 21 टेबिल पर गणना होगी। यहां प्रतिनिधियों के प्रवेश पत्र का रंग पीला होगा। आसमानी कलर बैतूल विधानसभा क्षेत्र के लिए रखा गया है। बैतूल की गणना कक्ष क्रमांक 6 एवं 7 में होगी। घोड़ाडोंगरी विधानसभा क्षेत्र के लिए गणना कक्ष 33 एवं 34 में प्रथम तल पर स्थित कक्षों में की जाएगी। यहां प्रतिनिधियों को गुलाबी प्रवेश पत्र जारी किए जायेंगे। विधानसभा भैंसदेही की गणना कक्ष क्रमांक 31 एवं 32 में 12-12 टेबलों पर की जाएगी। यहां प्रतिनिधियों के प्रवेश पत्र फिरोजी रंग के रखे गए है।

सीसीटीवी की निगरानी में होगी मतगणना- 100 सीसीटीवी की निगरानी में मतगणना की जाएगी। मीडिया गेट एवं मुख्य द्वार पर 2 सीसीटीवी कैमरे, मतगणना कक्ष के बाहरी गैलरी, पोस्टल बैलेट एवं स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष के एंट्री गेट पर 25 सीसीटीवी कैमरे एवं 11 टीव्ही स्क्रीन लगी है। इसी तरह राजनैतिक दलों/प्रतिनिधियों के आने जाने वाले मार्ग एवं बाहरी बरामदे में 21 सीसीटीवी कैमरे तथा मतगणना कक्ष के अंदर कुल 5 विधानसभा वार 49 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। इसके अलावा कंट्रोल रूम में 2 टीव्ही स्क्रीन की व्यवस्था की गई है।

वीडियोग्राफी के साथ पारदर्शिता- प्रत्येक विधान सभा स्ट्रांग रूम/पोस्टल बैलेट स्ट्रांग रूम खोलने के दौरान एवं स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष के एंट्री गेट पर मशीनों के मूवमेंट को 6 वीडियोग्राफी के माध्यम से कवर किया जाएगा। मतगणना कक्ष हेतु 2 कक्ष प्रत्येक विधानसभा व 01 कक्ष पोस्टल बैलेट हेतु कुल 5 विधानसभा की 11 कैमरों से वीडियोग्राफी होगी। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर निर्मित स्टेज के लिए 01 कैमरा तथा इव्हीएम, वीवीपीएट मशीन की सीलिंग के दौरान 5 कैमरे वीडियोग्राफी से निगरानी करेंगे। इसी तरह मतगणना स्थल के संपूर्ण परिसर, मीडिया कक्ष, सुरक्षा जांच प्रक्रिया की समय-समय पर एक कैमरे से वीडियोग्राफी होगी।

दो वाहनों से कत्लखाने ले जा रहे थे 16 गोवंश, पुलिस ने किए जब्त

बैतूल। सख्ती के बाद भी गोवंश की तस्करी रूक नहीं रही है। चोपना पुलिस ने गोवंश से भरे 2 पिकअप वाहन पकड़े हैं। इसके साथ ही 3 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। एसपी बैतूल के नेतृत्व में जिला पुलिस ने विगत 2 माह में 1000 गोवंश को मुक्त कराने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम टेमरु, तवाकाठी तरफ से दो पिकअप वाहन आ रहे हैं। यह गोवंश से भरे हुए हैं और महाराष्ट्र कत्लखाने जा रहे हैं। उन्हें ग्राम शिवसागर होते हुए घोडाडोंगरी के रास्ते से ले जाया जाएगा। सूचना पर टीआई चोपना द्वारा स्टाफ के साथ घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोका गया।

दो वाहन में थे गोवंश, वाहन मालिक भिजवा रहा था- पिकअप क्रमांक एमपी-37जीए-0208 को चौक करने पर उसमें 7 नग गोवंश बछड़े भरे मिले। वाहन चालक वाहन से उतर कर भागने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपी की पहचान पिंटू उर्फ नसीर पिता बब्लू उर्फ सरीफ खान उम्र 28 साल निवासी आवास कॉलोनी बाबई के रूप में की गई। उसका साथी निर्मल उर्फ निम्मा पिता रामभरोस कहार उम्र 24 साल निवासी बाबई था। दोनों ने पूछताछ में बताया कि उक्त गौवंश वाहन मालिक आरिफ पिंजारी निवासी बाबई के द्वारा भरवाकर महाराष्ट्र कत्लखाने ले जाने के लिये भेजा गया है। आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार तुरंत ही एक और सूचना पर वाहन क्रमांक एमपी-05जी-6194 को भी रोका गया। चेक करने पर 09 नग गौवंश गाय भरी पाई गई। वाहन चालक आशीष पिता मुकेश यादव उम्र 21 साल निवासी गुजरवाड़ा थाना बाबई भाग रहा था। उसे घेराबंदी कर पकड़ा। उसका साथी राजू कीर निवासी रजोन थाना बाबई भाग गया।

आरोपी ने यह दी जानकारी -आशीष यादव ने पूछताछ पर बताया कि उक्त गौवंश वाहन मालिक शाहरुख खान निवासी बाबई के द्वारा कत्लखाने ले जाने के लिये भेजा है। वाहन से 09 नग गाय पाई गई। जिसमें दो मृत हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर वाहन जब्त कर लिए गए हैं।

दो माह में 27 प्रकरण पंजीबद्ध- बैतूल जिला पुलिस द्वारा विगत 2 माह में गोवंश के अवैध परिवहन व व्यापार करने वाले 32 अपराधियों के विरुद्ध कुल 27 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। जिनमें 22 वाहन जब्त किए गये व 1000 गौ वंश को मुक्त करवाया गया है। जिले व जिले के बाहर के अपराधियों के विरुद्ध भी प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

विश्व तंबाकू दिवस पर ब्रह्माकुमारीज का आयोजन

प्रदर्शनी लगाकर दिया तंबाकू से होने वाले नुकसान बताएं

बैतूल। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भाग्य विधाता भवन बटामा बैतूल द्वारा नशा मुक्ति जागृति अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने सभी को तंबाकू से होने वाले नुकसान के बारे में बताया और किस प्रकार से आज तंबाकू जैसा जहर मनुष्य के जीवन को खत्म कर रहा है, लोग टेंशन और डिप्रेशन में आकर तंबाकू, गुटखा, जर्दा, बीड़ी, सिगरेट का सेवन करते जा रहे है और अपने शरीर को कैंसर जैसी बीमारियो से ग्रस्त करते जीवन को खत्म कर रहे हैं, यह समजाया। साथ ही दीदी ने जीवन को राजयोग मेडिटेशन के द्वारा किस प्रकार से तंबाकू से मुक्त कर सकते हैं, इस पर समझइश दी। इस अवसर पर सभी ने अपने तथा समाज के हर लोगों को तंबाकू और उससे बने पदार्थो से मुक्त बनाने का संकल्प किया।

राजकीय सम्मान के साथ हुआ मेजर केवलराम का अंतिम संस्कार

पुत्र यश यादव ने दी मुखाग्नि, सैनिक संगठनों ने किए पुष्पचक्र अर्पित

संजय द्विवेदी, बैतूल। 19 सीआरपीएफ बटालियन उड़ीसा में सेवा के दौरान हृदयाघात होने के कारण सीआरपीएफ मेजर केवलराम यादव का निधन हो गया था। आज उनके पार्थिव शरीर को बैतूल लाया गया। जहां उन्हें नाम आंखों से राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। मेजर केवल राम का कोठीबाजार मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें मोक्षधाम बैतूल में मुखाग्नि उनके पुत्र ने दी। बैतूल विकास नगर निवासी सीआरपीएफ जवान केवलराम यादव स्वर्गीय भुजल यादव के बड़े पुत्र थे। वह ओडिशा बरगढ़ जिले में सीआरपीएफ में मेजर के पद पर पदस्थ थे। उनकी ओडिशा में मतदान दल के साथ ड्यूटी लगाई गई थी। इस दौरान शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि में सीने में दर्द उठने पर यादव को जगदलपुर हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। यादव लगभग 54 वर्ष की आयु के थे। पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उनकी धर्मपत्नी सहित एक बेटा यश यादव और एक बेटी चांदनी है।

अनेक सैनिक संगठनों ने नम आंखों से दी विदाई- पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए शहीद भवन बैतूल में रखा गया। यहां पर परिजन, शहर के गणमान्य नागरिक, पूर्व सैनिक संगठन के सैनिकों सहित सीआरपीएफ के सैनिकों ने उन्हें पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके पश्चात कालापाठा स्थित उनके निवास पर पार्थिव देह सीआरपीएफ के ट्रक से तिरंगे में लपेटकर कोठीबाजार मोक्षधाम ले जाया गया, जहां गॉड ऑफ ऑनर देकर राजकीय सम्मान के साथ उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

होशंगाबाद की चिट्ठी

संजीव डे राय

कलेक्टर सख्त है के क्या मायने खनिज विभाग तो सो रहा..?

पूरे जिले में रेत को लेकर जबरदस्त हल्ला हो रहा और मुख्यालय पर धड़ल्ले से मिट्टी आ रही है ऐसा क्यों..? यहां खनिज विभाग के दोनों हाथों में लड्डू दिखाई दे रहे। फिर कलेक्टर के सख्त मिजाज का जिले को क्या फायदा..! और खनिज विभाग पर सख्ती क्या लाभ..? पहले पूर्व कलेक्टर ने डूब क्षेत्र भोपाल तिग्गडे पर मिट्टी भराई काम रोक दिया था, खनिज विभाग को डम्प की गई मिट्टी का नाप-जोख कर पता लगाना था कि ये मिट्टी कहां से आई, विभाग ने मिट्टी खोदने की अनुमति पांच साल से दी ही नहीं फिर यह मिट्टी आई कहां से उस मामले में खनिज विभाग को जुर्माना और मिट्टी जप्त की जाना थी.. लेकिन कलेक्टर ने काम रोककर दायित्व पूरा किया, और खनिज विभाग चुपचाप मामले में तमाशा देख रहा.. विभाग की चुप्पी से अब हालात यह है कि रसूलिया गेट नं 4 के सामने लगभग 800 सौ डम्फर, खोजनपुर गांव में बने गार्डन में लगभग दो हजार डम्फर, सामने सड़क के दूसरी ओर करीब छह सौ ट्रक, इधर मालाखेड़ी तिराहा पर 800 ट्रक पीली मिट्टी का भराव हो गया फिर पहाड़ियां के पास राधा स्वामी सत्संग के बाजू में 500 ट्रक मिट्टी का भराव हो गया। यह तब और ज्यादा कोतूहल पैदा करेगा जब वर्तमान कलेक्टर साहिबा खनिज चोरी के मामले को लेकर काफी सख्त है..!

सहायक यंत्री आए हैं या लाए गए हैं..?

नगरपालिका में सहायक यंत्री रमेश वर्मा आए हैं या फिर लाए गए हैं। यह अब खोज का विषय बन गया, सप्ताह में दो दिन शासकीय अनुदान से होने वाले विकास कार्यों के लिए परिषद में उनकी ऐन्ट्री जरुर हुई लेकिन उनकी दखलंदाजी सभी कार्यों में हो चली। इसे यूं भी कहा जा सकता है कि, मसाला बेचने अंग्रेज भारत में आए थे पर कब्जा उन्होंने पूरे भारत पर कर दिखाया था। पांच साल पहले अपने क्रियाकलापों से रमेश वर्मा नगर और नगरवासियों का खून पहले ही चूस चुके हैं, क्या उनके जरिए परिषद नगर और नगरवासियों को अब चोखा जायेगा..?

कलेक्टर के निर्देश पर ही सब होना है तो विभाग प्रमुखों का दायित्व क्या..?

दो दिन पहले एक पोकलेन और एक डम्पर खनिज विभाग ने पकड़ा, खनिज अधिकारी कहते हैं कलेक्टर के कहने पर उन्होंने ये दोनों गाड़ियां पकड़ी यानी अधिकारी अपना बचाव कलेक्टर का नाम लेकर कर रहे ऐसा क्यों.. यानी अधिकारी इस काले कारोबार में लिप्त है। खनिज विभाग चाहे तो इस अवैध कारोबार में करोड़ों का जुर्माना हो सकता है। गाड़ियां राजसात की जा सकती है। पर ऐसा करते नहीं.. डम्पर और पोकलेन पकड़े जरूर गये पर इसमें भी गजब का लोचा है आनलाइन गाड़ी का नंबर सर्च करते हैं तो गाड़ी का नंबर दिखाई देता गाड़ी मालिक का नाम तो आरटीओ नहीं दिखा पाता यह भी एक मुसीबत है। अब सवाल यह है कि पकड़े गए करोड़ों के वाहन पर मामला कायम कैसे किया जा सकेगा.. यह सोचने वाली बात है।

निजी स्कूलों की शिकायत पहुंची सीईओ के पास..

सीईओ जिला पंचायत के सामने दो नामचीन निजी शैक्षणिक संस्थाओं के विरुद्ध तीन शिकायत पहुंच गई महसूस हो रहा है कि जैसे जैसे पालकों को मालूम होगा वैसे वैसे शिकायत और शिकायत कर्ताओं में वृद्धि होगी। पालकों को लूट कर शिक्षा माफिया के रुप में उभरे निजी शैक्षणिक संस्था संचालकों ने लूट-खसोट के धंधे में जमकर पैसा बनाया, एफआईआर का भय उन्हें अब दौड़ाने लगा। उधर दूकान बंद कर दूकान दार गायब हो गए इधर स्कूल संचालक नगर से गायब, सीताशरण पाण्डेय ने बाकायदा अपनी शिकायत में अधिनियम 2018, 2020 का उल्लेख करते हुए किताब कापी का बिल प्रस्तुत किया है। माना जा रहा है कि प्रशासन इस मामले में छह साल का रिकॉर्ड पुस्तक विक्रेताओं से और स्कूल संचालकों से फीस का रिकॉर्ड टटोलवा सकता है।

और अब अंत में चलते-चलते

मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज किए जाने की शिकायत अब रंग लाने लगी, सीताशरण पाण्डेय की शिकायत के बाद अब आदीवासी संघ ने भी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के लिए एफआईआर दर्ज करने हेतु कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। साथ ही मृतक परिवार को हर्जाना और उसके परिवार के किसी सदस्य को नगरपालिका में नौकरी देने की मांग की है। कलेक्टर को की गई शिकायत के आधार पर इस मसले को लेकर अन्य पांच लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं।

मतगणना की तैयारी पूरी, पूरे परिसर की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी

- प्रेक्षकों और कलेक्टर ने देखीं व्यवस्थाएँ

धार। आगामी चार जून को पालीटेक्निक कॉलेज में होने वाली मतगणना की तैयारियां को लेकर की गई व्यवस्थाओं का प्रेक्षकों और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अवलोकन किया। मतगणना को लेकर तैयारी पूरी है। पूरे परिसर की सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

इसके पूर्व कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली। इस दौरान प्रेक्षक हिमांशु कुमार राय ,धनंयज सुकदेव, निकम दत्तप्रसाद ध्यानदेव नडे साथ थे। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मिश्रा ने कहा कि शांतिपूर्ण एवं स्वच्छ वातावरण में मतगणना का कार्य संपन्न कराए जाने की तैयारी की गई हैं। उन्होंने सभी को मतगणना दिवस के सफल संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा सभी को उनके दायित्व निर्वहन के निर्देश दिए गए। साथ ही बताया गया कि शासकीय सेवक मतगणना दिवस के दिन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।सभी संबंधित अधिकारी अपने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में रहेंगे,साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। बैठक के पूर्व मतगणना दलों की रेंडमाइजेशन की कार्यवाही की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सविता झानिया सभी एआरओ मौजूद रहे।

मतगणना की तैयारियों को लेकर भाजपा धार- महू लोकसभा क्षेत्र के मतगणना अभिकर्ता का प्रशिक्षण भाजपा कार्यालय में हुआ

धार। 4 जून को लोकसभा चुनाव के मतगणना की तैयारियों को लेकर भाजपा धार- महू लोकसभा क्षेत्र के मतगणना अभिकर्ता का प्रशिक्षण भाजपा जिला कार्यालय में सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, भाजपा चुनाव अभिकर्ता डॉ शरद विजयवर्गीय ने सम्बोधित कर मतगणना अभिकर्ता को अपने कार्यो के बारे में बताया।

इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, विधायक नीना वर्मा, वरिष्ठ नेता प्रभु राठौर विनोद शर्मा , भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर, प्रकाश धाकड़ मंचासीन रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और कार्यकर्ताओ की मेहनत से फिर से मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले है और हमारी धार लोकसभा से भी तीसरी बार भाजपा को जीता कर हम दिल्ली भेजेंगे ।

विपक्ष और राष्ट्र विरोधी ताकते दुसप्रचार करने से बाज नहीं आ रहे हैं। जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण में जिले के सातो विधानसभा से मतगणना अभिकर्ता सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे ने किया।

कलेक्टर के फेसबुक पेज और ट्वीटर पर उपलब्ध होगी मतगणना की जानकारी

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत जिले की मतगणना के परिणामों की राउंडवार जानकारी कलेक्टर नरसिंहपुर के फेसबुक पेज https://www.facebook.com/collectornarsinghpur और कलेक्टर नरसिंहपुर के ट्वीटर (एक्स) अकाउंट @dmnarsinghpur पर उपलब्ध होगी। इसके साथ ही जनसम्पर्क नरसिंहपुर के फेसबुक पेज https://www.facebook.com/pronarsinghpur और जनसम्पर्क कार्यालय का ट्वीटर (एक्स) अकाउंट @pronarsinghpur पर देखी जा सकती है।

मतगणना कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक सामग्री, मोबाईल, पेजर सहित अन्य प्रकार की सामग्री प्रतिबंधित रहेगी

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदान संपन्न होने के पश्चात मतगणना मंगलवार 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में प्रातः 8 बजे से प्रारंभ की जायेगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 जून को को प्रातः 6 बजे स्ट्रांग रूम खोला जायेगा। मतगणना अभिकर्ता को प्रातः 7 बजे के पूर्व अपना निर्धारित स्थान पर बैठना होगा तथा प्रातः 8 बजे से मतगणना प्रारंभ की जायेगी। पहले पोस्टल बैलेट की गिनती प्रारंभ होगी।

मीडिया कर्मी मीडिया सेंटर तक ले जा सकेंगे मोबाइल- मतगणना हॉल में जाने के पूर्व मीडिया सेंटर में ही स्थापित मोबाईल जमा काउंटर में मोबाईल जमा कराना अनिवार्य है। मतगणना कक्ष में कवरेज हेतु नियमित अंतराल मे छोटे- छोटे समूहों में मीडिया कर्मियों को मीडिया कक्ष प्रभारी के साथ भ्रमण कराया जायेगा। कवरेज के समय ईव्हीएम में प्रदर्शित मत एवं कागजी मतपत्र में किये गये मतदान की छायांकन एवं रिकार्डिंग प्रतिबंधित रहेगी। कवरेज हेतु मोबाईल फोन के प्रयोग की अनुमति नहीं होगी। हैण्ड कैमरा ही अनुमत्य होगा। मतगणना कक्ष में ट्रायपोड या स्टैंड लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी।

पत्रकार जैन का स्वास्थ्य देखने पहुंची पूर्व सांसद सावित्री ठाकुर

धार। धार-महू संसदीय क्षेत्र की भाजपा उम्मीदवार सावित्री ठाकुर ने धार के वरिष्ठ पत्रकार सुभाष जैन व उनकी धर्म पत्नी शशि जैन के स्वास्थ्य की कुशल क्षेम पूछी व उनके स्वस्थ्य होने की कामना की। इस दौरान श्री जैन ने उन्हें जीत की अग्रिम बधाई दी। वहीं प्रियंका जैन, ध्वनि जैन और दिव्य जैन ने उन्हें विजय तिलक लगाकर शाल, श्रीफल भेंट किया। इस दौरान जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल, सचिव संजय छाबड़ा, संयुक्त सचिव मौसम झांझरी, संजय लुहाड़िया, श्याम खंडेलवाल, महेंद्र जैन, समाज की महिला मंडल अध्यक्ष नेहा छाबड़ा, शिवानी रावका, मधु गंगवाल, ममता लुहाड़िया आदि मौजूद थी।

प्रेक्षकों एवं कलेक्टर ने किया मतगणना की तैयारियों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किये गये मतगणना प्रेक्षकों श्री नागेन्द्र पासवान और श्री सूरज कुमार रूकवाल एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में मतगणना स्थल पर की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विधानसभावार मतगणना कक्षों में पहुंचकर डाक मत पत्रों व इटीपीबीएस कक्ष का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। यहां विधानसभावार टेबल की मार्किंग, अभिकर्ताओ की बैठक व्यवस्था, टेबल के राउंड तथा गणना में लगने वाली आवश्यक सामग्रियों का भी अवलोकन किया। कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर के मतगणना स्थल का निरीक्षण कर चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच की जाने वाली मतगणना के लिए किए गए आवश्यक सुरक्षा प्रबंधो एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि मतगणना के दिन विद्युत की सतत आपूर्ति और मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्था सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें। गर्मी को देखते हुए पेयजल, पंखे-कूलर आदि की पर्याप्त व्यवस्था हो। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह, नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारी मौजूद थे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मंडला संसदीय क्षेत्र की गोटेगांव विधानसभा एवं होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र की गाडरवारा विधानसभा के लिए मतगणना प्रेक्षक श्री नागेन्द्र पासवान एवं होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र की नरसिंहपुर एवं तेंदूखेड़ा विधानसभा के लिए मतगणना प्रेक्षक श्री सूरज प्रकाश रूकवाल को नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत संसदीय क्षेत्र मंडला के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव और संसदीय क्षेत्र होशंगाबाद के अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर, 120- तेंदूखेड़ा व 121- गाडरवारा के लिए मतगणना 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में सम्पन्न होगी। संसदीय क्षेत्र 17 होशंगाबाद एवं संसदीय क्षेत्र 14 मण्डला के लिए होने वाली मतगणना कुल 14- 14 राउंड में संपन्न होगी। मतगणना स्थल कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में विधानसभा क्षेत्र 118- गोटेगांव शेड क्रमांक एक बाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 119- नरसिंहपुर शेड क्रमांक 2 दाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 120- तेंदूखेड़ा शेड क्रमांक 2 बाया भाग, विधानसभा क्षेत्र 121- गाडरवारा शेड क्रमांक 1 दाया भाग पर मतगणना स्थल बनाये गये हैं।

चिट्ठियों की प्रासंगिकता आज भी कम नहीं हुई है : जोशी

सेवानिवृत्ति पर पोस्टमैन जोशी को दी विदाई

देवास। उप डाकघर सोनकच्छ के अंतर्गत डाकघर पोलाय जागीर में पोस्टमैन पद पर कार्यरत ओम प्रकाश जोशी को सेवानिवृत्ति पर विदाई दी गई। उप डाकघर कार्यालय में सोमवार को आयोजित विदाई समारोह में सहायक डाक अधीक्षक गोपाल चौधरी ने पोस्टमैन ओमप्रकाश जोशी को श्रीफल एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सहायक अधीक्षक के साथ डाक निदेशक महेश परमार उपस्थित थे। इस दौरान वक्ताओं ने उनकी कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। अधीक्षक गोपाल चौधरी ने उनके कार्यकाल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इन्होंने स्वच्छ छवि, ईमानदारी और पूर्ण निष्ठ से कार्यालय व समाज में अपनी अलग पहचान बनाई है इनकी लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं। श्री जोशी ने अपने सेवाकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भले ही मोबाइल और इंटरनेट ने चिट्ठियों के प्रचलन को कम कर दिया है, लेकिन चिट्ठियों की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी सेवाकाल के 45 वर्षों में चिट्ठियां और मनीआर्डर बांटकर हजारों लोगों के चेहरों पर मुस्कराहट देखी है। उन्होंने कहा कि चिट्ठियां न केवल संदेश वाहक का काम करती थीं बल्कि उस दौर में चिट्ठियां सामाजिक समरसता का प्रतीक भी थी जहां लोग एक दूसरे से आत्मिक रूप से जुड़े रहते थे। इस दौरान सब ऑफिस सोनकच्छ के पोस्टमास्टर सुनीता महाजन , के साथ समस्त स्टाफ गण एवं अक्षय जोशी विकास जाट दीपक कुमार जोशी उपस्थित रहे।

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन कार्य का विशेष अभियान 5 से 16 जून तक

जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन के अभियान कार्य को लेकर आयुक्त ने किया दल गठित

देवास। जल संरक्षण एवं पुर्नजीवन को दृष्टिगत रखते हुए जल स्त्रोतों को अविरल बनाये जाने के उद्देश्य से जल स्त्रोतों जैसे कुंओं, तालाबों व बावडीयों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन का कार्य आवश्यक है इसी उद्देश्य को लेकर शासन निर्देश के पालन मे आयुक्त रजनीश कसेरा ने निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम निर्धारित कर 5 जून से 16 जून तक देवास मे निगम सीमा क्षेत्र के अन्तर्गत स्थित तालाबों, कुंआ बावडीयों व अन्य जल स्त्रातों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन के लिए विशेष सफाई अभियान करवाये जाने के निर्देश जारी किये गये है। जिसमे निगम सीमा क्षेत्र के अंदर स्थित कुए बावडी एवं तालाबों की सफाई की जावेगी जिसमे शहर मे स्थित सामाजिक संस्थाओं का सहयोग अपेक्षित कर वार्डो के जनप्रतिनिधियों के साथ बडे पैमाने पर रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग को लागू किया जाकर भवन की छतों का पानी जमीन मे उतारने का कार्य भी किया जाना है साथ ही आयुक्त ने यह भी निर्देश दिये है कि जिन वार्डो मे पूर्व से रिहायशी रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम भवनों पर लगा हुआ है ओर वह बंद है उसे संस्था, भवन मालिक आदि से सम्पर्क कर उसका सफाई कार्य कर पुर्नजीवित करने का कार्य भी किया जावेगा। इस अभियान मे सभी सामाजिक संस्थाओं, वार्ड के जनप्रतिनिधियों के विशेष सहयोग से निगम की टीम द्वारा कार्य किया जावेगा। जिससे कुए, बावडी, तालाब व अन्य जल स्त्रोतों का सफाई कार्य होकर जल संरक्षण को बढावा मिलेगा। इस अभियान के तहत वार्डो मे स्थित धार्मिक स्थानों के आस पास एवं प्रमुख चौराहों की साफ सफाई किये जाने के भी निर्देश दिये। आयुक्त ने निगम के संबंधित अधिकारी को जल संरचनाओं के आसपास सुखा अथवा गीला कचरा रहवासियों द्वारा नही डाला जावे इस हेतु मानिटरिंग किये जाने के निर्देश दिये साथ ही रहवासियों से आयुक्त ने अपील भी कि है की वे गीला,सुखा कचरा जल संरचना के स्थानों व नाली एवं नालों मे नही डालें तथा इस अभियान मे सहभागी बनें। इसी के साथ आयुक्त ने वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए तालाब का पानी का ओव्हरफलो ना हो व जल जमाव की स्थिती उत्पन्न ना हो इस हेतु पानी निकासी की व्यवस्था किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। आगामी वर्षा ऋतु के तहत हवा, आंधी को दृष्टिगत रखते हुए शहर मे लगे समस्त होर्डिंग मालिको से अपील करते हुए संबंधित निगम राजस्व अधिकारही संजय चौधरी को होर्डिंग मालिको से सम्पर्क कर उनके होर्डिंगों को चेक कर तत्काल दुरूस्त करवाने हेतु निर्देशित किया जिससे कोई जनहानी नही हो। इसी अन्तर्गत 6 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप मे जल सम्मेलन का आयोजन भी किया जावेगा। जल सम्मेलन की कार्ययोजना के लिए आयुक्त ने निगम सहायक यंत्री जगदीश वर्मा एवं सौरभ त्रिपाठी को निर्देशित किया।

सतना में कार पलटी, 4 लोगों की मौत

जन्मदिन मनाने रीवा के लिए निकले थे ; डिवाइडर से टकराने के बाद हादसा

सतना (नप्र)। सतना में नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार सवार 5 लोगों में से 4 की मौत हो गई। एक युवक गंभीर घायल है। ये लोग जन्मदिन मनाने के लिए निकले थे। उन्हें रीवा जाना था। रामपुर बघेलान के पास हादसा हो गया।

घटना रविवार रात 10 बजे मनकहरी ओवरब्रिज की है। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे में घायल युवक का नाम किशन जोशी है। उसका रविवार को जन्मदिन भी था। उसे सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को निकाला

हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से कार मे फंसे लोगों को बाहर निकलवाया। मृतकों की पहचान शिवा पांडे पिता श्याम सुंदर (26) निवासी पुष्पराज कॉलोनी, नितिन पांडे (32) निवासी पन्नीलाल चौक सतना, शिबू पांडे (35) निवासी सर्किट हाउस व दयानंद स्कूल के सामने साइकिल की दुकान चलाने वाले शानू खान के रूप में हुई है।

जबलपुर में 100 से ज्यादा लोगों में पथराव, गाड़ियां जलाईं

दो पक्षों में कहासुनी हुई, फिर 4 घंटे तक चला उपद्रव ; 8 थानों की फोर्स बुलाना पड़ी

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में दो लड़कों के बीच हुई कहासुनी के बाद 100 से ज्यादा लोग आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में पथराव हुआ। दो - तीन गाड़ियों को आग लगा दी गई। एक बाइक पूरी तरह जल गई। मामला रविवार देर रात 12 बजे का ओमती थाना इलाके का है।

हालात ज्यादा बिगड़ने पर खुद एसपी आदित्य प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। 8 थानों से पुलिस फोर्स को बुलाना पड़ा। सोमवार सुबह 4 बजे

तक हालात पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। एहतियातन सुबह 6 बजे तक पुलिस बल तैनात रहा है। पथराव में कुछ लोगों को चोट आई है, दो को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक पुलिसकर्मी के घायल होने की भी खबर है।

पुलिस के मुताबिक, उपद्रव के दौरान प्राथमिकता भीड़ को तितर-बितर करने की थी। अब वीडियो के आधार पर उपद्रवियों को तलाश कर कार्रवाई की जाएगी। खुद एसपी आदित्य प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। सुबह 4 बजे तक हालात संभले।

लोग घरों के अंदर भागे, पुलिस पर भी पथराव

रविवार रात उड़िया मोहल्ले के लड़के छोटी ओमती के पास घूम रहे थे। यहां सोनकर मोहल्ले के लड़के भी टहल रहे थे। किसी बात पर दोनों पक्षों के लड़कों के बीच कहासुनी के बाद हाथापाई हो गई। इसका पता लगते ही दोनों मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। दोनों ओर से पत्थर चलने लगे। मोहल्ले के लोग घबराकर अपने घरों में भागे।

पथराव में कई गाड़ियों के शीशे - हैडलाइट्स भी टूट गईं। ओमती थाने से पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन उपद्रवियों की संख्या बहुत ज्यादा थी। इसके बाद आसपास के थानों से भी पुलिस को बलाया गया। पुलिस पर भी पथराव किया गया। बाद में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को खदेड़ा। पुलिस रातभर लोगों को घरों के अंदर भेजती रही। जो नहीं माने, उन्हें खदेड़कर अंदर किया।

म.प्र. की 29 सीटों पर काउंटिंग का काउंटडाउन शुरू

शिवराज ने पत्नी के साथ की नर्मदा पूजा ; उज्जैन में बीजेपी की जीत के होर्डिंग लगे

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव की काउंटिंग का काउंटडाउन शुरू हो गया है। देशभर के साथ ही मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान के नतीजे 4 जून को आ जाएंगे। सुबह 8 बजे काउंटिंग शुरू होगी, जो अंतिम नतीजे आने तक जारी रहेगी। दोपहर तक रुझान सामने आ जाएंगे।

मतगणना से एक दिन पहले सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मतगणना को लेकर तैयारियों की जानकारी दी।

काउंटिंग से पहले शिवराज ने की नर्मदा पूजा- मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और विदिशा सीट से भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने मतगणना से एक दिन पहले नर्मदा पूजन किया। शिवराज सिंह सोमवार को पत्नी साधना सिंह के साथ सीहोर जिले के शाहगंज पहुंचे। यहां उन्होंने नर्मदा घाट पर पूजा अर्चना की।

इधर, उज्जैन में काउंटिंग के एक दिन पहले ही बीजेपी की जीत के होर्डिंग्स लग गए। वहीं राजगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर एग्जिट पोल और ईवीएम पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर ये 300 पार जाते हैं तो फिर वो ईवीएम के वोट होंगे जनता के नहीं।

भोपाल में 13 स्थानों पर डिस्प्ले में दिखेंगे चुनाव परिणाम - चुनाव परिणाम दिखाने के लिए

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने भोपाल में अलग-अलग स्थानों पर डिस्प्ले वॉल लगाने की अनुमति दी है। यह डिस्प्ले राजधानी में 13 स्थानों पर होगा। उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी निमिषा जायसवाल ने जारी आदेश में कहा है कि एमडी मप्र माध्यम इसका इंतजाम कराएंगे। 10 गुणा 8 इंच की डिस्प्ले वॉल लगाई जाएगी। यह डिस्प्ले वॉल रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन पर 3 और मुख्य रेलवे स्टेशन पर 2 स्थानों पर लगाई जाएगी। इसके अलावा डीबी मॉल एमपी नगर, ऑशिमा मॉल होशंगाबाद रोड, औरा मॉल शाहपुरा, 10 नंबर मार्केट, डिपो चौराहा भदभदा रोड, वल्लभ भवन मंत्रालय, लालघाटी चौराहा और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में भी एक-एक डिस्प्ले वॉल लगाने के लिए कहा है ताकि लोगों को जल्द मतगणना परिणामों की जानकारी मिलती रहे।

उज्जैन में काउंटिंग से पहले बीजेपी की जीत के होर्डिंग लगे- उज्जैन में नतीजों के एक दिन पहले ही बीजेपी की जीत के होर्डिंग्स लग गए। होर्डिंग पर लिखा है - जय सनातन, तय सनातन, सनातन की प्रचंड जीत पर जन जन का अभिनंदन।

दिग्विजय ने फिर एग्जिट पोल पर उठाए सवाल- काउंटिंग से पहले राजगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर एग्जिट पोल पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि जनता का वोट अगर पड़ा है तो इनको बहुमत नहीं मिल रहा है। जो कांग्रेस पार्टी ने 295 का फिगर दिया है वह बिल्कुल सही है। और उसके बाद यदि 300 पार होता है तो वह जनता का वोट नहीं है वह एईवीएम का वोट है।

अफेयर के शक में शादीशुदा गर्लफ्रेंड की हत्या

बंगले में गला घोंटा ; रतलाम से 40 किलोमीटर दूर नदी में फेंका शव

रतलाम (नप्र)। रतलाम में कई लोगों से अफेयर के शक में शादीशुदा महिला की उसके प्रेमी ने गला घोंटकर हत्या की। शव 40 किलोमीटर दूर झाबुआ जिले में माही नदी में फेंक आया। जिस बंगले में हत्या की, उसका चौकीदार भी इस हत्याकांड में आरोपी है। पुलिस ने सोमवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया। रतलाम शहर की रहने वाली 39 साल की महिला का शव 25 मई को मिला था। हत्या 23 मई को की गई। शिनाख्त 28 मई को हो सकी थी।

घटना का खुलासा करते हुए एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि मुख्य आरोपी संतोष राव (39) निवासी हाकिमवाड़ा (रतलाम) है। महिला के साथ उसके पिछले एक साल से अवैध संबंध थे। वह उससे प्यार करने लगा था। दूसरा आरोपी शहर के लोकेंद्र भवन मार्ग रोड पर मुफद्दल विला बंगले का चौकीदार सलमान (32) है। संतोष लोडिंग ऑटो चलाता था, सलमान से उसकी दोस्ती है।

शक था किसी और से रिलेशन बनाकर मिलने आई- एसपी के मुताबिक, महिला 23 मई की शाम 4 बजे घर से बाजार जाने का कहकर स्कूटी से निकली थी। देर रात तक नहीं लौटी तो परिवार ने औद्योगिक क्षेत्र थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए। वह संतोष के साथ नजर आई। संतोष को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा सच सामने आ गया। उसने बताया कि 23 मई की शाम 7 बजे वह महिला को बंगले लेकर पहुंचा था। इससे पहले वहां के चौकीदार को जानकारी दे दी थी।

संतोष को शक था कि महिला ने उससे मिलने आने से पहले किसी और से मुलाकात की, उसके साथ रिलेशन बनाए। बंगले में इसी बात पर दोनों में विवाद हुआ। संतोष ने महिला का गला घोंट दिया। संतोष और सलमान ने यह सोचकर कि महिला बेहोश हो गई है, उसके चेहरे पर पानी छिड़का। आधे घंटे बाद महिला का शरीर ठंडा पड़ गया।

पुस्टे में पैक किया, लोडिंग ऑटो से ठिकाने लगाया शव- जब कन्फर्म हो गया कि महिला की मौत हो चुकी है, संतोष लोडिंग ऑटो लेकर बंगले के अंदर आया। बंगले में लोडिंग खड़ी की, इसके बाद दोनों आरोपी महिला की स्कूटी से खाचरौद (उज्जैन) पहुंचे। रास्ते में स्कूटी की नंबर प्लेट निकालकर फेंक दी। महिला का मोबाइल भी तोड़कर रास्ते में फेंक दिया। स्कूटी खाचरौद के उज्जैन गेट पर खड़ी कर बंगले लौट आए। महिला के शव को पुस्टे में टैप लगाकर पैक किया, लोडिंग में डालकर माही नदी में फेंक आए। इस वक्त रात के 12.30 बज चुके थे।

दो दिन बाद नदी किनारे मिला था शव- घटना के दो दिन बाद नदी के किनारे शव की सूचना लोगों ने करवड़ पुलिस थाना (जिला झाबुआ) में दी। महिला के शव पर मिली साड़ी और हाथ पर गुदे नाम से पहचान हुई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि महिला घर-घर खाना बनाने का काम करती थी। एक साल पहले उससे उसकी पहचान हुई। मुफद्दल विला बोहरा समाज के एक व्यक्ति का है। वह विदेश में रहते हैं। बंगले की देखभाल सलमान करता है।

भोपाल के रिटायर्ड निगमकर्मी की पीट-पीटकर हत्या

युवकों ने लाठी-डंडों से बेहोश होने तक की मारपीट ; पोते ने 2 किमी भागकर बचाई जान

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम के 65 साल के रिटायर्ड कर्मचारी की युवकों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। वे अपने बेटे और पोते के साथ सीहोर के श्यामपुर इलाके के गांव मूंछखेड़ा में अपने खेत पर गए थे।

वहां नशा कर रहे युवकों को जाने के लिए कहा तो उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। वे लाठी-डंडों से बुजुर्ग को बेहोश होने तक पीटते रहे। उनके बेटे को भी गंभीर चोटें आई हैं। जबकि 12 साल के पोते ने 2 किलोमीटर दौड़कर अपनी जान बचाई। घटना रविवार शाम की है। सोमवार सुबह बुजुर्ग की मौत हो गई। घायल बेटे अस्पताल में भर्ती है। सीहोर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नशे में धुत्त युवकों ने लाठी डंडों से किया हमला- रिश्तेदार दीपक सिंह मालवीय ने बताया- चार साल पहले पर्वत सिंह (65) भोपाल नगर निगम से रिटायर हुए हैं। वे भोपाल के करोंद इलाके में परिवार के साथ रहते हैं। रविवार दोपहर बाद वे बेटे राकेश (41) और पोते आयुष (12) के साथ सीहोर के मूंछखेड़ा गांव में स्थित अपने खेत पर गए थे।

दिन भर काम किया। शाम को उन्हें खेत में 4-5 युवक नशा करते दिखाई दिए। उन्हें जाने का कहा तो वे विवाद करने लगे।

कहासुनी होती देख दूर काम कर रहे बेटा राकेश और पोता आयुष पास आए। युवकों को खेत से बाहर चले जाने के लिए कहा। इस पर युवक बहस करते हुए वहां से निकल गए। लेकिन, कुछ देर बाद फिर लाठी और डंडों से लैस होकर दोबारा पहुंच गए। आते ही उन्होंने पर्वत सिंह और राकेश को पीटना शुरू कर दिया। पर्वत सिंह बेहोश होकर जमीन पर गिर गए। रिश्तेदार दीपक सिंह मालवीय भोपाल से कुछ साथी और रिश्तेदारों को लेकर श्यामपुर के मूछखेड़ा गांव पहुंचे और पिता पुत्र को हमीदिया अस्पताल लेकर आए।

मासूम ने 2 किलोमीटर दौड़कर बचाई जान

पिता और दादा को पीटने के बाद हमलावर युवक, पोते आयुष की ओर दौड़े। लेकिन, आयुष ने दौड़ लगा दी। वह करीब 2 किलोमीटर तक लगातार भागता रहा। इस बीच आयुष ने पिता राकेश के फोन से अपने रिश्तेदार दीपक सिंह मालवीय को घटना की सूचना दी। खबर मिलते ही दीपक सिंह मालवीय भोपाल से कुछ साथी और रिश्तेदारों को लेकर श्यामपुर के मूछखेड़ा गांव पहुंचे। यहां आयुष को लेकर खेत पर पहुंचे। वहां से देखा पर्वत सिंह और राकेश जमीन पर पड़े हैं। उन्हें तुरंत भोपाल लाकर हमीदिया अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह 9 बजे पर्वत सिंह की मौत हो गई। जबकि राकेश के सिर में 7 टांके आए हैं।

बेटे ने कहा-वे पिता को बेहोश होने तक पीटते रहे

घटना के समय पर्वत के साथ मौजूद रहे बेटे राकेश ने बताया कि मूंछखेड़ा में हमारी चार एकड़ जमीन है। जिसमें घर का निर्माण कार्य कराना है। इसके लिए रविवार रात को गिट्टी आना थी। इस कारण मेरे पिता मुझे और मेरे बेटे को साथ ले गए थे। रात के समय नशे में धुत्त 4-5 युवक खेत के एक कोने में बैठे दिखे। पिताजी ने समझाने का प्रयास किया तो बदसलूकी करने लगे।

इंदौर की महू जेल से कैदी भागा..मुख्य प्रहरी सहित दो सस्पेंड

इंदौर/महू (नप्र)। इंदौर की महू उप जेल से विचाराधीन कैदी 15 फीट ऊंची दीवार कूदकर भागने के मामले में जांच जारी है। इंदौर से जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि मुख्य प्रहरी मोहनसिंह बारिया और जेल प्रहरी लखन निंगवाल को जेल डीजी के आदेश पर सस्पेंड कर दिया है। इस मामले में जेलर और अन्य कैदियों के भी बयान लिए जाएंगे।

सोनकर लगातार दूसरे दिन सोमवार को महू जेल पहुंची। उन्होंने स्टाफ से पूछताछ की। साथ ही सभी जगह के सीसीटीवी कैमरे फिर से खंगाले ताकि कैदी के भागने की जांच शुरू की जा सके।

इससे पहले, रविवार रात 10.25 बजे महू के सहायक जेल अधीक्षक मनोज कुमार चौरसिया की शिकायत पर महू पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

था। इसमें फरार हुए कैदी और एक अन्य मददगार कैदी पर केस किया है। फरार कैदी की तलाश जारी है जिसका नाम भेरुसिंह निवासी केसरबर्दी है। वह रेप के केस में जेल में विचाराधीन कैदी था।

एक दिन पहले भागा था कैदी, रेप का है आरोप- महू पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 10 बजे कैदी भेरुसिंह दीवार फांदकर भाग गया था। वह रेप के आरोप में बंद था। बावजूद, जेल प्रशासन ने रविवार को जानकारी शाम तक दबाए रखी। मामला तब सामने आया कि वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना लगी। रविवार देर शाम तक जेल प्रशासन अपने स्तर पर ही फरार कैदी को ढूंढ़ने की कोशिश की। सफलता नहीं मिली तो पुलिस को जानकारी देकर रविवार रात 10.25 बजे केस दर्ज कराया।

साथी कैदी ने भागने में मदद की थी : पुलिस- पुलिस ने बताया फरार कैदी भेरुसिंह रेप के आरोप में जेल में था। अन्य कैदी जगदीश रमेश साठिया निवासी बड़नगर ने भेरुसिंह को जेल से भगाने में मदद की।

टीकमगढ़-शिवपुरी में आंधी-बिजली का अलर्ट

इंदौर-धार में बारिश ; शहडोल में 48 घंटे में हीट स्ट्रोक से दो लोगों की मौत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नौतपा बीतने के बाद सोमवार को कई जिलों में गर्मी के तेवर नर्म दिखे। दोपहर बाद इंदौर में हलकी बारिश तो धार में बूंदाबांदी हुई। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने कहा, वर्तमान में साइक्लोनिक सर्कुलेशन, ट्रफ लाइन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आंधी-बारिश का दौर बन रहा है। यह अगले 3 दिन तक जारी रहेगा।

शर्मा ने बताया कि 30 मई को केरल में मानसून ने दस्तक दे दी है। इसने रविवार तक केरल, तमिलनाडु समेत कई राज्यों को कवर कर लिया है। अब यह आगे बढ़ रहा है। इसके तय समय पर मध्यप्रदेश पहुंचने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में टीकमगढ़, शिवपुरी, इंदौर, धार के मांडू में 60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान जताया है। छतरपुर के खजुराहो, ग्वालियर में हल्की गरज के साथ आकाशीय बिजली के गिरने-चमकने की आशंका है। दतिया, निवाड़ी के ओरछा, सतना, मैहर, रीवा, पन्ना, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, सिंगरौली, खंडवा, देवास, बुरहानपुर, खरगोन के महेश्वर, बैतूल, सागर, छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी और दमोह में भी मौसम बदलेगा।

शहडोल में हीट स्ट्रोक से 48 घंटे में दो लोगों की मौत- शहडोल में 48 घंटे के भीतर हीट स्ट्रोक से दो लोगों की मौत हो गई। पहला मामला गोहपारु थाना इलाके के पलसऊ गांव का है। यहां रम्मू यादव पिता मातादीन यादव

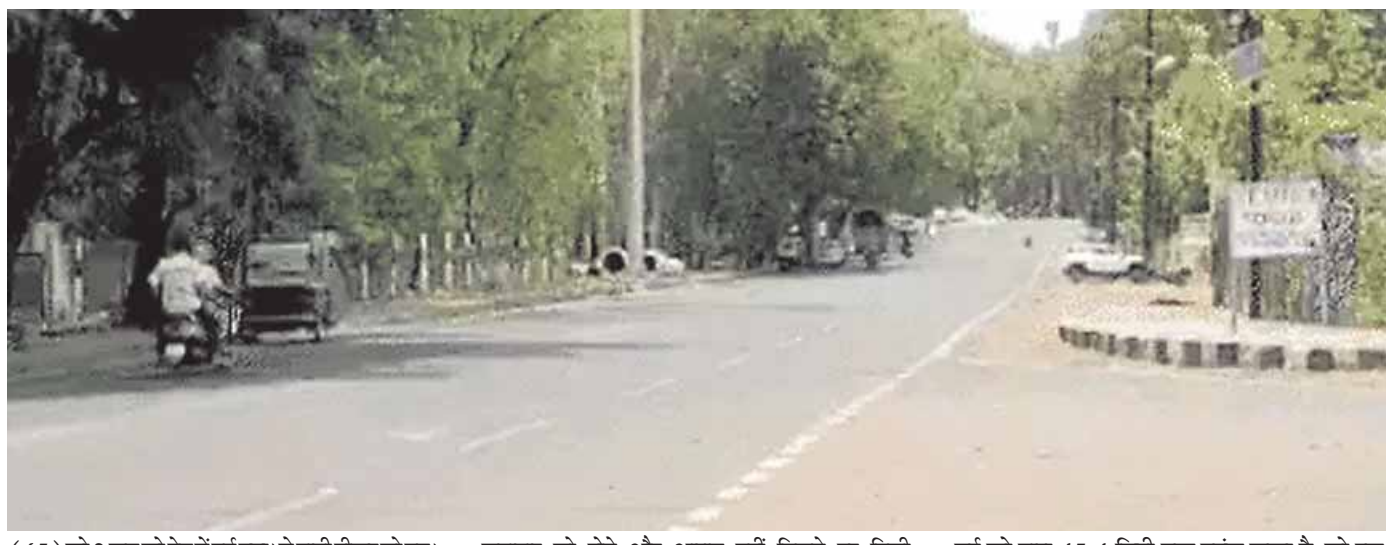

(65) को 2 जून को पेट में दर्द उठा। वे पानी पीकर सो गए। काफी देर बाद भी नहीं जागे। परिजन उन्हें उठाने गए लेकिन वे दम तोड़ चुके थे।

दूसरा केस गोहपारू के ही पैलवाह गांव का है। आराधना द्विवेदी (23) एनजीओ में फील्ड को-ऑर्डिनेटर थीं। 31 मई को फील्ड वर्क के बाद शाम को ऑफिस लौटने पर बेहोश हो गईं। उन्हें जिला अस्पताल लाया गया। बीपी लगातार लो होने और आराम नहीं मिलने पर निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान रविवार रात उनकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टर मो. आशिक ने बताया कि आराधना को पेट दर्द और सांस लेने में दिक्कत हो रही थी।

नौतपा में रिकॉर्ड गर्मी पड़ चुकी- नौतपा में रिकॉर्ड गर्मी भी पड़ चुकी है। नौतपा के दूसरे दिन 26 मई को पारा 45.4 डिग्री तक पहुंच चुका है, जो इस सीजन का सबसे अधिक रहा। जून के महीने में भोपाल में गर्मी और बारिश दोनों का ही ट्रेंड है। शुरू के 15 दिन तेज गर्मी पड़ती है। 10 साल में 2 बार टेम्प्रेचर 45 डिग्री के पार भी पहुंच चुका है, लेकिन मानसून की एंट्री के बाद पारे में गिरावट होने लगती है। जून 2020 में 16 इंच बारिश होने का रिकॉर्ड भी है।

भोपाल में अगले 2 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

इस बार भोपाल में नौतपा जमकर तपा है। शुरुआती 4 दिन तो टेम्प्रेचर 44 डिग्री के पार ही रहा। वहीं, एक बार रिकॉर्ड 45.4 डिग्री तक पहुंच गया, जो 10 साल में दूसरा सबसे अधिक था। अन्य 4 दिन में भी तेज गर्मी पड़ी। सोमवार को गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो अगले 2 से 3 दिन तक भोपाल में मौसम बदला रहेगा। 3 और 4 जून को तो बारिश भी हो सकती है।

अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

- 4 जून को भी शहर में बारिश और आंधी चलने का अलर्ट है।
- 5 जून को धूप-छांव वाला मौसम रहेगा। इससे दिन का तापमान 38 डिग्री तक आ सकता है।
- 6 जून को भी पारे में गिरावट होने का अनुमान है। धूप-छांव रहेगी।

आज से फिर शुरू होगा बिजली का प्री-मानसून मेंटेनेंस

बिजली कंपनी के हाई टेंशन डिवीजन का अमला सोमवार से शहर में फिर प्री-मानसून मेंटेनेंस शुरू करेगा। इस आखिरी चरण में ज्यादा फीडर्स पर मेंटेनेंस नहीं होगा। इस कारण एक साथ बहुत सारे इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित नहीं होगी। बिजली कंपनी के सिटी सर्कल के जनरल मैनेजर जाहिद अजीज खान ने बताया कि नौतपा में पड़ी भीषण गर्मी के कारण शहरवासियों की सहूलियत के लिए हमने मेंटेनेंस का काम रोक दिया था। अब तापमान भी कम हो गया है।

आखिरी चरण में कम फीडर्स पर मेंटेनेंस किया जाएगा। इसका शेड्यूल इस प्रकार बनाया गया है कि ज्यादातर एक साथ रहवासी इलाके शटडाउन से प्रभावित नहीं हों। इस बार एक साथ कई कॉलोनियों में बिजली कटौती नहीं की जाएगी।